चैत्र कृष्ण - 4 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 241 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 29-03-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

BOOK EARLY, WIN BIG!
52 HOURS
APARTMENT
JACKPOT
CARNIVAL
(29, 30 & 31ST MARCH - 2024)
FRI 8 PM TO SUN 12 AM
52 HOURS
MARKET OF INDIA
JACKPOT
CARNIVAL
(29, 30 & 31ST MARCH - 2024)
FRI 8 PM TO SUN 12 AM
2 BHK APARTMENTS
₹6455
PSF Onwards*
SHOPS & SHOWROOMS (MOI)
₹11111
PSF Onwards*
3 BHK APARTMENTS
₹6555
PSF Onwards*
OFFICE SPACE
₹8999
PSF Onwards*
+
MIDNIGHT
JACKPOT
REDUCES AFTER EVERY 5 BOOKINGS
+
MIDNIGHT
JACKPOT
REDUCES AFTER EVERY 20 BOOKINGS
BLACK ACE JACKPOT First 5 Bookings
RED ACE JACKPOT Next 5 Bookings
CLUB ACE JACKPOT Final 5 Bookings
2 BHK 3KG Silver 2KG Silver 1KG Silver
3 BHK 5KG Silver 4KG Silver 3KG Silver
Buy a Shop between 300 to 499 Sq.Ft. and win
MARUTI SWIFT
Buy a Shop above 1000 Sq.Ft. and win
HONDA ELEVATE
Buy a Shop between 500 to 999 Sq.Ft. and win
MG ASTOR
MOI
MARKET OF INDIA
INDIA'S GLOBAL MARKET
SPR CITY
A PROJECT WITH BINNY LTD
CREDAI
Site Address: No 1, Cooks Road, SPR City, Perambur, Chennai - 600012
www.rera.tn.gov.in | RERA: TN/29/Building/0223/2021 | TN/29/Building/0209/2021
TN/29/BUILDING/0295/2018 | TN/29/Building/0224/2021 Images are artist's impressions
T & C Apply.
TO HIT THE JACKPOT, CALL
73582 00333

चैत्र कृष्ण - 4 · संवत 2080 · वर्ष - 11 · अंक - 241 · पृष्ठ - 8 · रु. 5/- · चेन्नई » शुक्रवार » 29-03-2024 · www.dakshinbharat.com · Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 आपके एक वोट ने आस्था को सम्मान दिलाया : योगी आदित्यनाथ

6 मजबूत विपक्ष की भूमिका से कांग्रेस क्यो हो रही दूर?

7 जिन्दगी के सफर में फिर साथ चलने को तैयार हुए नवाज और आलिया

फर्स्ट टेक

भाजपा विधायक राजा सिंह घर में नजरबंद

हैदराबाद/भाषा। भाजपा विधायक टी राजा सिंह लोध को चेंगिचरला गांव जाने से रोकने के लिए बृहस्पतिवार को उनके आवास पर 'नजरबंद' कर दिया गया। शहर के बाहरी इलाके में स्थित चेंगिचरला गांव में 24 मार्च को अलग-अलग समुदायों के दो समूहों के बीच झड़प हो गई थी। मंगलहाट पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें ''घर में नजरबंद'' कर चेंगिचरला जाने से रोक दिया गया है, क्योंकि चुनाव आचार संहिता लागू है और चेंगिचरला में झड़प एक संवेदनशील मामला है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि अपने समर्थकों के साथ कथित तौर पर पुलिस बैरिकेड तोड़ बुधवार को चेंगिचरला गांव में प्रवेश करने की कोशिश को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बंडी संजय कुमार और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट को 20 साल की जेल

पालनपुर/भाषा। गुजरात में बनासकांठा जिले के पालनपुर की एक सत्र अदालत ने पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट को एक वकील को फंसाने के लिए मादक पदार्थ रखने संबंधी 1996 के मामले में बृहस्पतिवार को 20 साल जेल की सजा सुनाई। भट्ट हिरासत में मौत के मामले में पहले से ही सलाखों के पीछे हैं। भट्ट को राजस्थान के एक वकील को झूठा फंसाने का दोषी ठहराया गया था। जिला पुलिस ने यह दावा किया था कि उसने पालनपुर के एक होटल के उस कमरे से मादक पदार्थ जब्त किया था जहां वकील रह रहे थे। भट्ट को 2015 में भारतीय पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था। उस समय वह बनासकांठा जिले के पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्यरत थे।

अमेरिका ने मीडिया वेबसाइट 'गाजा नाऊ' और इसके संस्थापक पर प्रतिबंध लगाया

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका ने बुधवार को ऑनलाइन मीडिया पोर्टल 'गाजा नाऊ' और इसके संस्थापक मुस्तफा अयाश पर कथित रूप से हमास का समर्थन करने के मामले में प्रतिबंध लगा दिया। अमेरिका के विदेश परिसंपत्ति नियंत्रण विभाग के वित्त कार्यालय ने कहा कि इजराइल पर हमास के सात अक्टूबर के हमले के बाद उक्त ऑनलाइन संस्था ने चरमपंथी संगठन के समर्थन में चंदा उगाही शुरू कर दी थी। 'गाजा नाऊ' के अरबी चैनल के, सोशल मीडिया चैनल 'एक्स' पर तीन लाख से अधिक फॉलोअर हैं। इसके अलावा अल-कुरैशी एक्जिक्यूटिव्स और आखिरा लिमिटेड नामक कंपनियों और इसकी निदेशक आओजमा सुल्ताना पर भी पाबंदी लगाई गई है

29-03-2024	30-03-2024
सूर्यास्त 6:06 बजे	सूर्योदय 6:20 बजे

BSE	NSE
73,635.48	22,326.90
(+639.16)	(+203.25)

सोना	चांदी
6,898 रु.	80,200 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कब तक

जेलों में रहते अपराधी,
क्या वो सरकार चलायेंगे।
कानूनों की धज्जियां उड़ा,
क्या अपनी दाल गलायेंगे।
बकरे अर्जी दे वधिकों को,
कैसे वध वक़्त टलायेंगे।
जो आग लगाते पर घर को,
खुद अपना हाथ जलायेंगे।।

केजरीवाल को राहत नहीं, ईडी की हिरासत एक अप्रैल तक बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। दिल्ली शराब नीति में कथित घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले में फंसे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत गुरुवार को चार दिन बढ़ाते हुए एक अप्रैल कर दी गई।

राऊज एवेन्यू स्थित कावेरी बावेजा की विशेष अदालत ने ईडी के अनुरोध और केजरीवाल का पक्ष सुनने के बाद हिरासत बढ़ाने का आदेश पारित किया। ईडी पक्ष रख रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने केजरीवाल पर हिरासत के दौरान पूछताछ में सहयोग नहीं करने का आरोप लगाते हुए अदालत के समक्ष सात दिनों की अतिरिक्त हिरासत की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि कुछ अन्य लोगों के सामने केजरीवाल से पूछताछ की जानी है।

अपना पक्ष खुद रखते हुए केजरीवाल ने इसका विरोध नहीं किया और कहा कि ईडी उन्हें जितने समय तक अपनी हिरासत में रखना चाहे, वह रहने को तैयार हैं। ईडी के आदेश पर छह दिनों की हिरासत अवधि पूरी होने पर केंद्रीय जांच एजेंसी ने गुरुवार को फिर उन्हें विशेष अदालत में पेश किया। मुख्यमंत्री ने विशेष अदालत के समक्ष खुद अपना पक्ष रखते हुए कहा कि ईडी के पास उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है और उसका मकसद किसी भी तरह से उन्हें फंसाना है। केजरीवाल ने अदालत में पेश किए जाने से पहले मीडिया के सवालों पर संक्षिप्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'यह एक राजनीतिक साजिश है। जनता इसका जवाब देगी। कड़ी सुरक्षा के बीच आम आदमी पार्टी (आप) के नेता केजरीवाल को विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां 22 मार्च को उन्हें छह दिनों के लिए ईडी की हिरासत में पूछताछ के लिए भेजने का आदेश पारित गया

सक्सेना के बयान पर केजरीवाल ने कहा: यह एक राजनीतिक साजिश है

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की सरकार जेल से न चलने देने के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना के बयान के एक दिन बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसे ''राजनीतिक साजिश'' करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि ''लोग (इसका) जवाब देंगे। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत में पेश किए जाने से कुछ समय पहले केजरीवाल से सक्सेना के बयान के बारे में पूछा गया। मुख्यमंत्री ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, यह एक राजनीतिक साजिश है। जनता इसका जवाब देगी।

मनरेगा के तहत मजदूरी में चार से 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली/भाषा। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) योजना के तहत मजदूरी को संशोधित किया गया है और अलग अलग राज्यों में मेहनताने में चार से 10 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। एक अधिसूचना के अनुसार, अब योजना के तहत अकुशल श्रमिकों को देश में सबसे ज्यादा 374 रुपए प्रति दिन की मजदूरी हरियाणा में मिलेगी जबकि सबसे कम मेहनताना उन्हें अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड में मिलेगा जहां इस योजना के तहत काम करने पर मजदूरों को 234 रुपए प्रति दिन की मजदूरी मिलेगी। सिक्किम की तीन पंचायतों- ग्नथांग, लाचुंग और लाचेन में मजदूरी दर 374 रुपए प्रतिदिन है। लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लगे होने की वजह से निर्वाचन आयोग की मंजूरी के बाद केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने योजना के तहत मिलने वाली मजदूरी में बदलाव की अधिसूचना जारी की।

दिल का दौरा पड़ने से माफिया मुख्तार अंसारी की मौत

लखनऊ/भाषा। माफिया से नेता बने मुख्तार अंसारी की बृहस्पतिवार को बांदा मेडिकल कॉलेज में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। तबीयत बिगड़ने के बाद अंसारी को जिला जेल से अस्पताल लाया गया था। बांदा मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य सुनील कौशल ने 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर बताया, ''मेडिकल कॉलेज में दिल का दौरा पड़ने से अंसारी की मौत हो गई।'' इससे पहले प्रमुख सचिव सूचना संजय प्रसाद ने 'पीटीआई भाषा' से इस बात की पुष्टि की थी कि अंसारी को तबीयत खराब होने के कारण दोबारा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बेंगलूर के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में मुख्य साजिशकर्ता गिरफ्तार

बेंगलूरु/नई दिल्ली। एक बड़ी सफलता के तहत राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) ने बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले के एक मुख्य षड्यंत्रकर्ता को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया है कि एनआईए की कई टीम द्वारा 18 स्थानों (कर्नाटक में 12, तमिलनाडु में पांच और उत्तर प्रदेश में एक स्थान पर कार्रवाई के बाद मुजम्मिल शरीफ को बुधवार को पकड़ा और सह-षड्यंत्रकर्ता के रूप में उसे हिरासत में ले लिया। एनआईए ने तीन मार्च को इस मामले को अपने हाथ में लिया था।

जरूरत पड़ने पर अग्निपथ योजना में सुधार के लिए तैयार है सरकार : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि यदि सरकार को सशस्त्र सेनाओं में अग्निवीरों की भर्ती से संबंधित अग्निपथ योजना में कोई कमी दिखाई देती है तो जरूरत पड़ने पर वह इसमें सुधार करने के लिए तैयार है।

सिंह ने गुरुवार को एक निजी टेलीविजन चैनल के कार्यक्रम में अग्निवीरों से जुड़े सवाल पर कहा , इस सवाल का कोई औचित्य नहीं है। यह एक सच्चाई है कि सेना में युथफुलनेस होनी चाहिए। हमारे सेना के जवानों की उम्र 30, 35, 40 या 50 वर्ष की रही है। लेकिन जब हमारे 18 या 20 वर्ष के जवान होंगे अग्निवीर के माध्यम से तो मैं समझता हूं कि जोखिम उठाने का जज्बा जवानों में अधिक होता है। उन्होंने कहा कि यह प्रौद्योगिकी का युग है और इसमें जवान प्रौद्योगिकी में पारंगत भी होने चाहिए। ऐसे नौजवानों की भर्ती अग्निवीर के रूप में की जा रही है।

अग्निवीरों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा किये जा रहे उपायों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे। इस बात की पक्की गारंटी है उसके लिए तंत्र में जो भी बदलाव किया जा सकता है वह किया जायेगा। उन्होंने कहा कि यदि योजना में कोई कमी दिखाई देगी और आवश्यक हुआ तो उसमें सुधार करने के लिए भी सरकार पूरी तरह तैयार है।

दूसरों को धमकाना और धौंस दिखाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा समेत कुछ अन्य वकीलों ने प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर न्यायपालिका पर दबाव डालने और अदालतों को बदनाम करने के प्रयास के आरोप लगाए थे

नई दिल्ली/भाषा। वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा समेत कुछ अन्य वकीलों की ओर से प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर न्यायपालिका पर दबाव डालने और अदालतों को बदनाम करने के प्रयास के आरोप लगाए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और दावा किया कि 'दूसरों' को धमकाना और धौंस दिखाना विपक्षी पार्टी की 'पुरानी संस्कृति' है।

प्रधान न्यायाधीश को लिखे गए पत्र में आरोप लगाया है कि एक 'निहित स्वार्थी समूह बेकार के तर्कों और घिसे-पिटे राजनीतिक एजेंडा' के आधार पर न्यायपालिका पर दबाव डालने और अदालतों को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है।

इस पत्र की प्रति के साथ 'एक्स' पर की गई एक पोस्ट को टैग करते हुए प्रधानमंत्री ने लिखा, दूसरों को धमकाना और धौंस दिखाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति है। पांच दशक पहले ही उसने एक 'प्रतिबद्ध न्यायपालिका' का आह्वान किया था। वे बेशर्मी से अपने स्वार्थी हितों के लिए दूसरों से प्रतिबद्धता चाहते हैं लेकिन राष्ट्र के प्रति किसी भी प्रतिबद्धता से दूर रहते हैं। उन्होंने दावा किया, कोई आश्चर्य नहीं कि 140 करोड़ भारतीय उन्हें खारिज कर रहे हैं।

मुर्मू ने की किफायती ऊर्जा खपत वाले एवं दिव्यांगों के अनुकूल बुनियादी ढांचा विकसित करने की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को इंजीनियरिंग सेवा अधिकारियों के एक समूह से किफायती ऊर्जा खपत वाला और दिव्यांगों के अनुकूल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा विकसित करने को कहा।

मुर्मू ने अभियंताओं से अपने दृष्टिकोण में नवीनता लाने को भी कहा ताकि वे उभरती चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपट सकें।

राष्ट्रपति केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (2022 और 2023 बैच) के सहायक कार्यकारी अभियंताओं (सिविल, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल) के एक समूह को संबोधित कर रही थीं। इन अभियंताओं ने यहां राष्ट्रपति भवन में मुर्मू से मुलाकात की थी। उन्होंने युवा अधिकारियों से सामाजिक विवेक के साथ अभियंत्रण का अभ्यास करने को कहा। मुर्मू ने कहा, यह सुनिश्चित करना आपका कर्तव्य है कि आपके द्वारा डिजाइन किए गए सार्वजनिक बुनियादी ढांचे दिव्यांगों और वरिष्ठ नागरिकों के इस्तेमाल के लिए सुगम होना चाहिए, चाहे वह कार्यालय हो, आवास या सड़क हो। यह पहलू परियोजनाओं की योजना और कार्यान्वयन का अभिन्न अंग बनना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा, आपके द्वारा बनाई जाने वाली इमारतें, सड़कें और अन्य बुनियादी ढांचे टिकाऊ, किफायती ऊर्जा खपत वाले और पर्यावरण के अनुकूल होने चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया, आपको अपने दृष्टिकोण में नवोन्वेषी होना चाहिए ताकि आप उभरती चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपट सकें। मुर्मू ने कहा कि थ्री-डी प्रिंटिंग के युग में भवन निर्माण तकनीक में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने कहा, बुनियादी ढांचे और निर्माण परियोजनाओं को अब जलवायु-अनुकूल और ऊर्जा खपत की दृष्टि से किफायती बनाया जा सकता है। मुर्मू ने कहा कि ''हरित निर्माण'' समय की मांग है। राष्ट्रपति ने कहा, निर्माण के नवीन तरीकों में इस क्षेत्र में बदलाव की क्षमता है। मुर्मू ने इंजीनियरिंग सेवा में बहुत कम महिलाओं के शामिल होने के ''कारणों की जांच'' का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा, मैं निर्णयकर्ताओं के विचारार्थ एक बिंदु छोड़ना चाहूंगी।

सीएए पर सीख देने वालों को खारिज करने की आवश्यकता : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नागरिकता संशोधन अधिनियम पर सीख देने वालों को खारिज करने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि इन्हें जमीनी हकीकत की जानकारी नहीं है।

धनखड़ ने गुरुवार को यहां अमेरिकन बार एसोसिएशन स्प्रिंग कॉन्फ्रेंस के दूसरे संस्करण को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने अपने लंबे इतिहास में कई धार्मिक समुदायों को शरण दी है। उन्होंने कहा कि सीएए के बारे में अज्ञानतापूर्ण टिप्पणियाँ करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अन्य संस्थाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन टिप्पणियों को पुरजोर तरीके से खारिज किए जाने की आवश्यकता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि सीएए हमारे पड़ोस में धार्मिक आधार पर सताए गए लोगों को राहत देने के लिए है। इससे किसी को भी नागरिकता से वंचित नहीं किया जा रहा है। सीएए के अंतर्गत नागरिकता के लिए 2014 की कट ऑफ डेट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसका लाभ लेने के लिए लोगों को आमंत्रित नहीं किया जा रहा हैं। इसका लाभ उन्हें दिया जा रहा है जो पहले से ही इस देश में हैं। ये लोग एक दशक से अधिक समय से इस देश में हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि जमीनी हकीकत से अनभिज्ञ रहकर सीख देने वालों को फटकार लगानी चाहिए। उन्होंने भारत के संस्थानों के बारे में कुछ लोगों की टिप्पणियों पर आपत्ति जताई। धनखड़ ने कहा, हम दूसरों से ज्ञान प्राप्त करने वाले देश नहीं हैं।

एक्सिस बैंक के कुछ क्रेडिट कार्डधारक हुए 'धोखाधड़ी' का शिकार

बैंक का दावा-आंकड़ों में नहीं लगी सेंध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। एक्सिस बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि बैंक के कई क्रेडिट कार्डधारक विदेशों में धोखाधड़ी वाले लेन-देन से प्रभावित हुए हैं। हालांकि, बैंक ने साफ किया कि आंकड़ों में कोई सेंध नहीं लगी है। निजी क्षेत्र के देश के तीसरे सबसे बड़े बैंक के कार्ड और भुगतान प्रमुख संजीव मोघे ने कहा कि मंगलवार शाम से ग्राहकों ने अनधिकृत लेनदेन का ब्योरा देखा। उन्हें कुछ ई-कॉमर्स साइट पर कम मूल्य की खरीदारी को लेकर लेनदेन से जुड़ी सूचना मिली। उन्होंने कहा कि आंकड़ों में कोई सेंध नहीं लगी है। ऐसे लेनदेन का स्तर बहुत सीमित है और ग्राहकों से जुड़ा आंकड़ा पूरी तरह सुरक्षित है। इस तरह के अनधिकृत लेनदेन के बारे में सोशल मीडिया पर बढ़ती चर्चा के बीच, मोघे ने कहा कि बैंक की आंतरिक व्यवस्था ने कुछ लेनदेन रोक दिए हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इससे कई ग्राहक प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि बैंक के क्रेडिट कार्ड ग्राहकों ने प्रतिदिन लगभग 500 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इसके साथ तुलना करने पर, ऐसे लेनदेन की सीमा 'बहुत छोटी' रही है।

इस बारे में और जानकारी के बारे में कहे जाने पर मोघे ने कहा कि यह कुल खर्च का एक छोटा सा हिस्सा है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ऐसी घटनाएं एक दिन के लिए हुई और अब ऐसा कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि धोखाधड़ी करने वालों ने अनधिकृत लेन-देन के मकसद से कुछ कार्ड नंबर और उसकी मियाद पूरी होने की तिथि हासिल की। चूंकि ये अंतरराष्ट्रीय लेनदेन हैं, इसलिए इन्हें एसएमएस या वन टाइम पासवर्ड अथवा सीवीवी नंबर जैसे किसी दूसरे प्रमाणीकरण की जरूरत नहीं पड़ी।

यह पूछे जाने पर कि गड़बड़ी करने वालों ने आखिर कैसे आंकड़े प्राप्त किए, उन्होंने कहा कि 16 अंक की संख्या में पहले छह अंक बैंक-विशिष्ट होते हैं। जब भुगतान के लिए कार्ड पेट्रोल पंपों या रेस्तरां में दिए जाते हैं, वहां से कार्ड नंबर प्राप्त किए जाने की आशंका है। यह पूछे जाने पर कि क्या अन्य बैंकों को भी इसी तरह के मामलों का सामना करना पड़ा है, मोघे ने कहा कि उन्हें इसके बारे में फिलहाल जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि एक्सिस बैंक प्रभावित ग्राहकों के क्रेडिट कार्ड बदल रहा है और जितनी राशि के सौदे किए गए हैं, उसे वापस कर रहा है। यह बैंक के लिए कोई 'झटके' वाली बात नहीं है। मोघे ने कहा कि रिजर्व बैंक को घटना के बारे में जानकारी दी गई है। बैंक को भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए ऑडिट जैसी रणनीतियों पर विचार करना होगा।

राजस्थान में करीब 68 हजार बुजुर्गों और दिव्यांगों ने घर से वोट डालने का विकल्प चुना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में अब तक लगभग 68 हजार बुजुर्गों और दिव्यांगों ने घर से वोट डालने (होम वोटिंग) का विकल्प चुना है। होम वोटिंग के तहत मतदान प्रक्रिया पांच अप्रैल से शुरू होगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य की सभी 25 लोकसभा सीटों के लिए 51,230 वरिष्ठ नागरिक और 16,735 दिव्यांग मतदाताओं में से कुल 68,965 मतदाताओं ने अब तक घर से मतदान करने का विकल्प चुना है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि राज्य में होम वोटिंग के लिए वरिष्ठ नागरिक और दिव्यांग मतदाता बढ़-चढ़कर पंजीकरण करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि होम वोटिंग के प्रति विधानसभा चुनाव-2023 से भी ज्यादा उत्साह है। विधानसभा चुनाव के दौरान 61,628 पात्र मतदाताओं ने पंजीकरण कराया था।

राज्य में लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 12 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा जहां होम वोटिंग के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। दूसरे चरण में राज्य की 13 सीटों पर मतदान होगा जहां होम वोटिंग के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया जारी है।

गुप्ता ने बताया कि पहले चरण के मतदान वाले लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अब तक कुल 36,858 पात्र मतदाताओं ने होम वोटिंग के लिए पंजीकरण कराया है। इनमें 27,536 वरिष्ठ नागरिक और 9,322 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। निर्वाचन अधिकारी होम वोटिंग का विकल्प चुनने वाले मतदाताओं की सूची सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को एक अप्रैल तक उपलब्ध करवाएंगे। उन्होंने बताया कि इसके बाद होम वोटिंग के विशेष मतदान दल गठित कर उनके प्रशिक्षण की प्रक्रिया 4 अप्रैल तक पूरी कर ली जाएगी। ये विशेष दल राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की मौजूदगी में पंजीकृत मतदाताओं के घर पहुंचकर पोस्टल बैलेट के जरिए मतदान करवाएंगे। होम वोटिंग के लिए मतदान प्रक्रिया 5 अप्रैल से शुरू होकर 14 अप्रैल तक चलेगी। किसी कारण से मतदाता के होम वोटिंग से वंचित रह जाने पर दूसरा चरण 15 से 16 अप्रैल के बीच होगा।

गुप्ता ने बताया कि दूसरे चरण में मतदान वाले 13 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में होम वोटिंग के लिए पंजीकरण का कार्य जारी है और दो अप्रैल तक आवेदन किया जा सकता है। अब तक 31 हजार से अधिक पात्र मतदाओं ने पंजीकरण कराया है। इनमें 23,694 वरिष्ठ नागरिक और 7,413 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। इसमें निर्वाचक अधिकारी होम वोटिंग का विकल्प चुनने वाले मतदाताओं की सूची सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को आठ अप्रैल तक उपलब्ध कराएंगे। विशेष मतदान दल गठित कर उनके प्रशिक्षण की प्रक्रिया 13 अप्रैल तक पूरी कर ली जाएगी। होम वोटिंग के लिए मतदान प्रक्रिया 14 अप्रैल से शुरू होकर 21 अप्रैल तक चलेगी। किसी कारण से मतदाता के होम वोटिंग से वंचित रह जाने पर दूसरा दौर 22 से 23 अप्रैल के बीच होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि होम वोटिंग की सुविधा विकल्प के रूप में है। लोकसभा चुनाव के लिए होम वोटिंग की सुविधा ऐसे मतदाताओं को मिलती है, जो 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों हों या 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता श्रेणी के हों।

अपील

जयपुर शहर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्रीमती मंजू शर्मा ने गुरुवार को जयपुर से चेन्नई तक साइकिल यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस यात्रा के माध्यम से भारत की समृद्धि एवं उन्नति के लिए देशवासियों को आगामी लोकसभा चुनावों में फिर एक बार मोदी सरकार चुनने की अपील की जा रही है।

भाजपा पिछली बार से ज्यादा सीटें जीतकर फहराएगी परचम : दीयाकुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीयाकुमारी ने कहा है कि देश को मोदी की गारंटी और उनके विकास पर भरोसा है। यही कारण है कि भाजपा पिछली बार से ज्यादा सीटें जीतकर परचम फहरायेगी। अजमेर में लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी के केन्द्रीय चुनाव कार्यालय उद्घाटन समारोह जनसभा में उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश की सभी 25 सीटों के साथ देश में 400 से ज्यादा सीटें जीतकर हम इतिहास रचेंगे।

उन्होंने कहा कि भाजपा जीतेगी तो केन्द्र एवं राज्य में डबल इंजन की सरकार के जरिये विकास के नये रास्ते खोलेंगे। उन्होंने मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा कि वे श्री चौधरी को जिताकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथ मजबूत करें।

चुनाव कार्यालय उद्घाटन समारोह में संभाग प्रभारी जितेंद्र गोठवाल, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाना, विधायक शत्रुघ्न गौतम , राम स्वरूप लाम्बा और वीरेंद्र सिंह कानावत, महापौर बृजलता हाडा, शहर अध्यक्ष रमेश सोनीदेहात अध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा, संगठन सहप्रभारी बीरमदेव सिंह आदि मौजूद रहे।

कोचिंग की एक और छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान की कोचिंग सिटी कहे जाने वाले कोटा में गुरुवार को एक और कोचिंग छात्रा ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस महीने में कोटा में किसी कोचिंग छात्र के आत्महत्या करने की यह दूसरी जबकि इस वर्ष की आठवीं घटना है। मिली जानकारी के अनुसार शहर के महावीर नगर तृतीय इलाके के एक मकान में पेइंग गेस्ट के रूप में रहने वाली मूल रूप से लखनऊ की रहने वाली कोचिंग छात्रा सौम्या कोटा में रहकर नीट की तैयारी कर रही थी। उसे आखिर बार धुलंड़ी के दिन देखा गया था। उसके बाद से वह घर से बाहर नहीं निकली थी।

सौम्या के कोटा में ही रहने वाले एक दोस्त ने बुधवार को उसे फोन किया तो उसने नहीं उठाया। उसके कई बार फोन करने पर भी जब कोई जवाब नहीं मिला तो चिंतित होकर दोस्त वह कल देर शाम उसके मकान पहुंचा। तब भी बार-बार खटखटाने पर भी सौम्या ने दरवाजा नहीं खोला तो अन्य लोगों की मदद से जब दरवाजा तोड़ा तो छात्रा सौम्या फांसी के फंदे से लटकी मिली।

सूचना मिलने के बाद महावीर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और छात्रा सौम्या के परिजनों को सूचना दी जो कोटा पहुंच गये हैं और उनकी मौजूदगी में आज शव का पोस्टमार्टम करवाया गया।

शहर में कोचिंग छात्र के आत्महत्या करने की इस महीने में यह दूसरी घटना है। इसके पहले 23 मार्च को उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में रहने वाले और कोटा में रहकर नीट की तैयारी कर रहे एक कोचिंग छात्र मोहम्मद उरुज ने विगना नगर के ड़कनिया स्टेशन के पास एक बहुमंजिला इमारत के फ्लैट में फांसी से लटक कर आत्महत्या कर ली थी। कोटा में किसी कोचिंग छात्र के आत्महत्या करने की यह आठवीं वारदात है।

मेडिकल कॉलेजों से सम्बद्ध सभी अस्पतालों में क्यूआर कोड आधारित सफाई व्यवस्था 1 अप्रैल से अनिवार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों से सम्बद्ध अस्पतालों में 1 अप्रेल से क्यूआर कोड आधारित सफाई व्यवस्था अनिवार्य रूम से लागू की जाएगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के निर्देशों पर इस संबंध में चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से सभी मेडिकल कॉलेजों के लिए गाइडलाइन जारी की गई है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण एवं अस्पताल में बेहतर साफ-सफाई की दृष्टि से आरएनटी मेडिकल कॉलेज उदयपुर ने क्यूआर कोड आधारित सफाई व्यवस्था शुरू करने का नवाचार किया था। उसके बाद प्रदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों से जुड़े अस्पताल एवं अन्य चिकित्सा संस्थानों में इस नवाचार को अपनाने के निर्देश दिए गए थे। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों से जुड़े अस्पतालों के लिए अब यह व्यवस्था 1 अप्रैल 2024 से अनिवार्य की जा रही है।

चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान ने बताया कि यह व्यवस्था लागू करने के लिए मेडिकल कॉलेज जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा, अजमेर, बाड़मेर, डूंगरपुर, भरतपुर, भीलवाड़ा, सीकर, पाली, चूरू, झालावाड़ एवं आरयूएचएस जयपुर के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक को पत्र भेजकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इन सभी मेडिकल कॉलेजों को यह व्यवस्था लागू कर 5 अप्रैल तक पालना रिपोर्ट से अवगत कराना होगा।

खान ने बताया कि क्यूआर कोड आधारित सफाई व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सभी सम्बद्ध अस्पतालों में नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। वे क्यूआर कोड के माध्यम से प्राप्त सफाई संबंधी शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करेंगे। साथ ही चिकित्सा महाविद्यालय स्तर पर एक तकनीकी अधिकारी या आईटी कार्मिक को भी नामित किया जाएगा, जो इस व्यवस्था में आने वाली समस्याओं का समाधान करेंगे एवं प्राप्त शिकायतों का संकलन करेंगे।

अपील

पाली लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी पीपी चौधरी ने गुरुवार को पाली विधानसभा में आयोजित बूथ स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने की अपील की।

राजस्थान में पहली बार कांग्रेस से ब्राह्मण और मुस्लिम को टिकट नहीं मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । डीएनए के 'ब्राह्मण' रुख के विपरीत राजस्थान में कांग्रेस ने रेगिस्तानी राज्य की 25 संसदीय सीटों में से किसी पर भी कोई ब्राह्मण उम्मीदवार नहीं उतारा है। हालांकि, पार्टी नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि टिकट सर्वेक्षण के आधार पर दिए गए हैं, न कि जाति या पंथ के आधार पर। पार्टी ने पहले भी कई बार ब्राह्मण कार्ड खेला है और दावा किया है कि पार्टी के पास 'ब्राह्मण डीएनए' है। कांग्रेस नेता और राहुल गांधी के प्रमुख सहयोगी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भी कहा कि कांग्रेस के खून में ब्राह्मण डीएनए है।पार्टी के दावे को दोहराते हुए राहुल गांधी को भी 'जनेऊ' (पवित्र धागा) पहने हुए और यह दावा करते हुए देखा गया है कि वह कश्मीरी ब्राह्मण हैं।हालांकि, इस 'ब्राह्मण डीएनए' दावे का खंडन करते हुए कांग्रेस ने राजस्थान से एक भी ब्राह्मण उम्मीदवार को मैदान में नहीं उतारा है, जिससे समुदाय के कई नेता नाराज हैं।

इसी तरह, सबसे पुरानी पार्टी ने राजस्थान में 19 अप्रैल और 26 अप्रैल को पहले दो चरणों में होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए भी किसी मुस्लिम उम्मीदवार को मैदान में नहीं उतारा है।दरअसल, राजस्थान के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि एक भी मुस्लिम या ब्राह्मण उम्मीदवार को कांग्रेस का टिकट नहीं मिला है।सर्व ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष, सुरेश मिश्रा ने कहा, ऐसा लगता है कि कांग्रेस को ब्राह्मण समुदाय से वोट नहीं चाहिए।

उन्होंने जयपुर से एक ब्राह्मण नेता को टिकट दिया था, मगर बाद में रद्द कर दिया। आजादी के बाद से पार्टी राजस्थान में ब्राह्मण उम्मीदवारों को दो से तीन टिकट देती रही है। राज्य में लगभग एक करोड़ लोग ब्राह्मण समुदाय से हैं। यह समुदाय का अपमान है।''वरिष्ठ कांग्रेस नेता वरुण पुरोहित ने कहा, राजस्थान ने कुछ दिग्गज ब्राह्मण नेताओं को जन्म दिया है। जब कांग्रेस ने ब्राह्मण समुदाय को सम्मान दिया तो उसने शायद ही कभी हार का स्वाद चखा हो। हालांकि, ब्राह्मणों की उपेक्षा और अन्य जातियों को बढ़ावा देने से कांग्रेस की हार हुई। उत्तर प्रदेश और बिहार के उदाहरण इसे इस संदर्भ में लिया जा सकता है, जहां ब्राह्मण नेतृत्व को खत्म करने के बाद कांग्रेस पुनर्जीवित होने में विफल रही। अब वही कहानी राजस्थान में दोहराई जा रही है।''

कांग्रेस ने जयपुर लोकसभा सीट से ब्राह्मण उम्मीदवार सुनील शर्मा को टिकट की पेशकश की थी। हालांकि, आरएसएस समर्थक संगठन, जयपुर डायलॉग्स के साथ उनके संबंधों पर विवाद के बाद उन्होंने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली।शशि थरूर समेत कई कांग्रेस नेताओं ने सुनील शर्मा से पार्टी के प्रति उनकी वफादारी पर सवाल उठाए थे। इसके बाद पार्टी ने पूर्व राज्यमंत्री प्रताप सिंह खाचरिया को जयपुर से मैदान में उतारा।

ब्राह्मण नेताओं के अलावा, पार्टी ने मुस्लिम नेताओं को भी चुनाव लड़ने से मना कर दिया है, क्योंकि वह समुदाय से किसी भी उम्मीदवार को मैदान में उतारने में विफल रही है।राजस्थान में पार्टी के चुनाव वॉर रूम के अध्यक्ष जसवंत सिंह गुर्जर ने कहा, पार्टी कार्यकर्ताओं के सर्वेक्षण, फीडबैक और मांग के अनुसार टिकट दिए गए हैं। मुस्लिम और ब्राह्मण पारंपरिक रूप से मतदान करते रहे हैं। उम्मीदवार चयन के लिए कई आधार हैं। केवल जाति, समुदाय या वर्ग के आधार पर टिकट नहीं दिया जा सकता।उन्होंने यह भी कहा कि दूसरे राज्यों में ब्राह्मणों और मुस्लिमों को टिकट दिया गया है, इसलिए राजस्थान में राजनीतिक तौर पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

शीघ्र डायग्नोसिस के लिए स्मार्टफोन-आधारित ग्लूकोज परीक्षण विकसित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के शोधकर्ताओं ने एक अद्वितीय चिकित्सा प्रणाली बनाई है जहां स्मार्टफोन का उपयोग मरीजों में ग्लूकोज के स्तर का परीक्षण करने के लिए किया जा सकता है ताकि परीक्षण परिणाम शीघ्र और आसानी से उपलब्ध किए जा सकें। एंड्रॉइड ऐप का उपयोग करके पूरा तंत्र किसी भी स्मार्टफोन से एक पेपर-आधारित विश्लेषणात्मक उपकरण जोड़ता है जो ग्लूकोज के नमूने का पता लगाने के लिए सक्षम है। 1040 मिमी की सघनता सीमा के साथ कागज-आधारित विश्लेषणात्मक उपकरण पोर्टेबल उपकरण हैं जिसने आवश्यकता-बिंदु परीक्षण में क्रांति ला दी है और जैव रासायनिक नमूनों का तुरंत आकलन कर सकते हैं। यह उपकरण एक लैब-आधारित कार्यात्मक बायोडिग्रेडेबल पेपर के साथ आता है जो मौजूद ग्लूकोज के स्तर और मात्रा के आधार पर अपना रंग बदल देता है। इसे स्मार्टफोन से जोड़कर शोधकर्ताओं ने ग्लूकोज के स्तर को ट्रैक करने की पूरी प्रक्रिया को तीव्र और प्रभावी बना दिया है।

इस उपकरण को जनता के निजी उपयोग के लिए विकसित करने का लक्ष्य है। यह उपकरण, तकनीकी या परिष्कृत प्रयोगशाला सेटिंग्स की आवश्यकता के बिना ऑन-द-स्पॉट ग्लूकोज परीक्षण परिणाम प्रदान कर सकता है। इसके अतिरिक्त इसे किफायती और बायोडिग्रेडेबल बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जांच की वर्तमान लागत प्रयोगशाला में केवल लगभग 10 रुपए है। टीम को उम्मीद है कि बड़े पैमाने पर उत्पादन के दौरान इसे और भी सस्ता बनाकर पांच रुपए तक लाया जा सकता है। यह अनुसंधान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के यात्रिक अभियांत्रिकी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर अंकुर गुप्ता, श्री विनय किशनानी, श्री निखिल कश्यप और श्री शिवम शशांक टीम द्वारा किया गया। डॉ. गुप्ता ने बताया कि स्मार्टफोन आसानी से अन्य डिवाइस और प्लेटफ़ॉर्म्स के साथ जुड़ जाता है।

महज 18 साल की उम्र में गंवाए हाथ, अब पैरों की अंगुलियों से लिख रहे कामयाबी की इबारत

शर्मा कहते हैं कि अस्पताल से घर लौटने पर उन्हें ग्रामीणों ने बेकार कहा, जिसके बाद उन्हें जंगल में मवेशी चराने का काम दिया गया। उन्होंने उस समय का उपयोग अपने पैर के अंगूठे और अंगुली के बीच एक पेड़ की टहनी को पकड़कर लिखने का अभ्यास करने में किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। महज 18 साल की उम्र में दोनों हाथ गंवाने वाले 58 वर्षीय देवकीनंदन शर्मा ने परिस्थितियों से हार नहीं मानी और पैरों की अंगुलियों से लिखना सीखा। कभी उत्तराखंड में पशु चराने का काम करने वाले शर्मा अपनी मेहनत के बल पर अब राजस्थान में एक एनजीओ में प्रबंधक के पद पर हैं। कोटा में 'भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति' के कार्यालय में शर्मा कागजात संबंधी काम करते हैं और केवल अपने पैर की उंगलियों का उपयोग करके डिजिटल रूप से सभी रिकॉर्ड रखते हैं। शर्मा ने कहा, कागजात पिन करना मेरे लिए एक कठिन काम है क्योंकि इसमें बहुत मशक्कत और समय लगता है।

पारंपरिक तौर पर डेस्क पर काम करने के विपरीत, शर्मा जमीन पर लकड़ी का एक चौड़ा फट्टा रखकर पैरों की मदद से कागजात संबंधी कार्य करते हैं। इन कर्तव्यों के साथ-साथ वह उसी लकड़ी के बोर्ड पर कंप्यूटर रखकर अपना काम अच्छे से करते हैं। शर्मा अपने पैर की अंगुलियों से माउस और कीबोर्ड का सहजता से उपयोग कर पाते हैं।

शर्मा का कहना है कि वह स्कूल में एक प्रतिभाशाली छात्र थे और हमेशा एक ऐसी नौकरी का सपना देखते थे जहां वह कागजात संबंधी कामकाज कर सकें। शर्मा का जन्म और पालन-पोषण नैनीताल के शिलालेख गांव में हुआ था। उन्होंने कहा, मैं गणित और अंग्रेजी में बहुत तेज था और मेरा सपना था कि मुझे एक ऐसी नौकरी मिले जहां मैं कार्यालय में कागजात पर हस्ताक्षर और लिखने-पढ़ने का काम कर सकूं। मेरा यह सपना तब टूट गया जब 1981 में एक दिन संविदा मजदूर के रूप में काम करते समय मुझे बिजली का जोरदार झटका लगा और मैंने अपने दोनों हाथ खो दिए। तब में आठवीं कक्षा में पढ़ता था।

शर्मा कहते हैं कि अस्पताल से घर लौटने पर उन्हें ग्रामीणों ने बेकार कहा, जिसके बाद उन्हें जंगल में मवेशी चराने का काम दिया गया। उन्होंने उस समय का उपयोग अपने पैर के अंगूठे और अंगुली के बीच एक पेड़ की टहनी को पकड़कर लिखने का अभ्यास करने में किया। छह महीने के नियमित अभ्यास के बाद, एक दिन उन्होंने जमीन पर एक कमल का फूल बनाया और हिंदी में उसे लिखा, कमल। इससे शर्मा को अपने पैर की अंगुलियों के बीच पेन पकड़कर कागज पर अभ्यास करने का आत्मविश्वास मिला। आखिरकार अपने पैर की अंगुलियों से कागज पर लिखने की इस कला में महारत हासिल करने में उन्हें आठ महीने का समय लगा, जिसके लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

शर्मा ने कहा, मैंने पैर की अंगुलियों के बीच कलम पकड़कर सबसे पहला पत्र अपने भाई को लिखा था, जो उस समय उत्तराखंड के अल्मोड़ा में तैनात थे। इससे आश्चर्यचकित होकर भाई ने मुझे पढ़ाई फिर से शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया।

पूर्व सैन्य अधिकारी सार्वजनिक शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार

कोटा। राजस्थान के बूंदी जिले के तारागढ़ पैलेस स्थित मोती महल में एक पूर्व सैन्य अधिकारी को अपने सहयोगियों के साथ दाखिल होने और सार्वजनिक शांति को भंग करने के आरोप में बुधवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर भूपेश सिंह हाड़ा और उनके तीन सहयोगियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 151 के तहत 'निवारक' उपाय के तहत गिरफ्तार किया गया। बूंदी की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) उमा शर्मा ने बताया कि शाम को चारों आरोपियों को जमानत दे दी गई। पुलिस की यह कार्रवाई तारागढ़ पैलेस का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट के सदस्यों की शिकायत पर की। एएसपी ने बताया कि बाद में, कोतवाली पुलिस थाना में हाडा और प्रवींद्र सिंह सहित उनके तीन सहयोगियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 143 और 455 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

हमारे हेलीकॉप्टर को बीकानेर के लिए उड़ान भरने की अनुमति नहीं मिली : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं को ले जा रहे एक हेलीकॉप्टर को बीकानेर रेंज के लिए उड़ान भरने की अनुमति नहीं दी गई। बीकानेर लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार गोविंदराम मेघवाल की नामांकन दाखिल रैली को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा, हमारे हेलीकॉप्टर को जयपुर में रोक दिया गया और बीकानेर रेंज के लिए उड़ान भरने की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने यह भी कहा कि भजपा प्रत्याशी अर्जुन राम मेघवाल को इस बात की जांच करानी चाहिए कि हेलीकॉप्टर को उड़ने की इजाजत क्यों नहीं दी गई।

गहलोत ने कहा, ''आगामी चुनावों के लिए पूरे भारत में हेलीकॉप्टर उड़ान भर रहे हैं, लेकिन हमारे हेलीकॉप्टर को उड़ान भरने की अनुमति नहीं दी गई।''

इस बीच, राज्य कांग्रेस प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, हमारे हेलीकॉप्टर को उड़ान भरने की अनुमति नहीं मिलने के बाद हमें जयपुर से कार से बीकानेर आना पड़ा।डोटासरा ने कहा कि पायलट द्वारा हेलीकॉप्टर उड़ाने से इनकार करने के बाद वे कार से बीकानेर पहुंचे, क्योंकि हजारों पार्टी कार्यकर्ता वहां इंतजार कर रहे थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इरोड के सांसद का निधन, कुछ दिन पहले की थी आत्महत्या की कोशिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) पार्टी के नेता और इरोड से सांसद ए. गणेशमूर्ति का बृहस्पतिवार को सुबह कोयंबटूर के एक अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने हाल ही में कथित तौर पर आत्महत्या करने की कोशिश की थी। पार्टी और पुलिस के सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सांसद के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि गणेशमूर्ति ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की तथा जिला सचिव के पद सहित विभिन्न पदों पर अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। बाद में वह वाइको के नेतृत्व वाले एमडीएमके में शामिल हो गए थे।

स्टालिन ने एक बयान में कहा, ''उनके निधन से गहरा दुख हुआ है। वह एक बेहतरीन नेता थे। मैं द्रमुक, एमडीएमके के सदस्यों, उनके परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करता हूं।''

वाइको ने गणेशमूर्ति के अकास्मिक निधन पर दुख व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने गणेशमूर्ति के बेटे कपिलन और बेटी तमिलपिरिया से मुलाकात की और उनके प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

पुलिस के अनुसार, 77 वर्षीय गणेशमूर्ति ने 24 मार्च को यहां अपने घर पर कुछ जहरीली गोलियां खाकर कथित तौर पर आत्महत्या करने की कोशिश की

थी। उन्हें यहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, फिर उन्हें कोयंबटूर के एक अन्य निजी अस्पताल ले जाया गया था।

इरोड टाउन पुलिस ने पहले आत्महत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था। उन्होंने कहा कि अब इसे आत्महत्या से मौत होने के मामले में बदल दिया जाएगा। अस्पताल के अधिकारियों ने शव को पुलिस को सौंप दिया जो उसे पोस्टमार्टम के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट (आईआरटी) मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गई।

पार्टी के सूत्रों ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद उनके शव को यहां से 15 किलोमीटर दूर कुमारवलासु गांव ले जाया जाएगा और वहीं उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। गणेशमूर्ति 2019 में सांसद चुने गए थे। उन्होंने इससे पहले 1998 में पलानी और 2009 में इरोड से लोकसभा चुनाव जीता था। गणेशमूर्ति के परिवार में एक बेटा और एक बेटी है।

वाइको ने कोयंबटूर में संवाददाताओं से कहा, ''वह एक साहसी और दृढ़निश्चयी नेता थे। इस बात में रत्ती भर की भी सच्चाई नहीं है कि गणेशमूर्ति ने दोबारा लोकसभा चुनाव का टिकट न मिलने पर आत्महत्या की कोशिश की।'' चेन्नई में अपने कॉलेज के दिनों के दौरान दिवंगत नेता के साथ बिताए गए पलों को याद करते हुए वाइको ने कहा कि दोनों ने पार्टी (तत्कालीन द्रमुक) को विकसित करने के लिए कड़ी मेहनत की थी।

एमडीएमके के प्रमुख ने कहा, ''छात्रसंघ के दिनों का संघर्ष आज भी मेरे जेहन में ताजा है। .. वह डीएमके के इरोड जिले के प्रभारी थे और बाद में उन्होंने मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम का गठन करने में मेरा साथ दिया था।'' अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ए. के. पलानीस्वामी ने कहा कि वह इरोड सांसद गणेशमूर्ति के निधन की खबर सुनकर दुखी हैं। भाजपा के राज्य प्रमुख के.अन्नामलाई ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु को नये सचिवालय मामले में अपील वापस लेने की अनुमति दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने नये सचिवालय भवन के निर्माण में कथित अनियमितताओं के सिलसिले में एकल न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की अपील बृहस्पतिवार को खारिज कर दी। एकल पीठ ने यहां नये सचिवालय भवन के निर्माण में कथित अनियमितताओं से संबंधित पूर्व अन्नाद्रमुक सरकार द्वारा जारी शासनादेश खारिज कर दिया था। तत्कालीन अन्नाद्रमुक सरकार की ओर से जारी शासनादेश(जीओ) में नये सचिवालय परिसर के निर्माण में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए गठित न्यायमूर्ति रघुपति जांच आयोग की फाइल एवं रिकॉर्ड सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) को सौंपने का निर्देश दिया गया था। यह निर्माण कार्य 2006-11 के बीच द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के कार्यकाल में हुआ था।

न्यायमूर्ति आर सुरेश कुमार और के कुमारेश बाबू की खंडपीठ ने राज्य सरकार के अनुरोध को रिकॉर्ड पर लेते हुए अपील को वापस लिया हुआ मानकर खारिज कर दिया। पीठ ने कहा कि इन अंतर-अदालती अपीलों को वापस लेने के अपीलकर्ता (राज्य सरकार) के अधिकारों की जहां तक बात है, विभिन्न निर्णयों के आधार पर मामले के पक्षकार एवं अन्नाद्रमुक के पूर्व सांसद जे. जयवर्धन द्वारा अपील का विरोध किये जाने की दलीलों को कायम नहीं रखा जा सकता।

खंडपीठ ने आगे कहा कि जिन निर्णयों पर उन्होंने (हस्तक्षेपकर्ता ने) भरोसा जताया, वे वैसे निर्णय थे, जो आपराधिक मुकदमे से संबंधित मामलों से उत्पन्न हुए थे। खंडपीठ ने कहा कि जब किसी व्यक्ति ने अदालत में कार्यवाही शुरू की है तो उसके लिए अपना दावा वापस लेने या त्यागने का अधिकार हमेशा खुला रहता है, जैसा कि 'अनुराग मित्तल बनाम शैली मिश्रा मित्तल' के मामले में व्यवस्था दी गयी है। पीठ ने कहा कि ऐसी स्थिति में, अदालत किसी पक्ष पर मामला चलाने के लिए दबाव नहीं डाल सकती, खासकर तब, जब कोई पक्ष बिना कोई अधिकार सुरक्षित रखे अपना दावा छोड़ना चाहता हो।

तमिलनाडु में लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया समाप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सांसद तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री दयानिधि मारन, ए.राजा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने लोकसभा चुनाव के लिए बुधवार को अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। कुल 1,403 उम्मीदवारों ने तमिलनाडु से आम चुनाव लड़ने के लिए अपने नामांकन दाखिल किए हैं।

पहले चरण में तमिलनाडु की सभी 39 और पुडुचेरी की एक लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को मतदान होगा। राज्य में पहले चरण के तहत होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने के आखिरी दिन राजा और अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) के संस्थापक टीटीवी दिनाकरन ने क्रमशः नीलगिरि और थेनी से अपना-अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। एएमएमके, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का घटक दल है।

चेन्नई सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र से फिर से जीत हासिल करने के लिए मैदान में उतरे मारन ने 7.81 करोड़ रुपये से अधिक की चल और अचल संपत्ति घोषित की है।

अन्नामलाई कोयंबटूर से चुनाव लड़ रहे हैं। जब उन्होंने नामांकन पत्रा दाखिल किया तब उनके साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महिला मोर्चा प्रमुख और विधायक वनथी श्रीनिवासन समेत अन्य लोग मौजूद थे। पश्चिमी तमिलनाडु के करूर में सबसे अधिक 62 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया जबकि नागपट्टिनम (कावेरी डेल्टा क्षेत्र) में 13 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया, जो सबसे कम है।

मारन ने अपने चुनावी हलफनामे में बताया कि उनके पास 7,81,05,240 रुपये की चल संपत्ति है जिसमें बैंक जमा और निजी कंपनियों के इक्विटी शेयर शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि विरासत में मिली अचल संपत्ति का मूल्य 59,000 रुपये है। उन्होंने कहा कि उन पर और उनकी पत्नी पर सरकारी बैंकों का कोई बकाया नहीं है और दोनों पर कोई देनदारी नहीं है। उनके खिलाफ लंबित मामलों में कथित तौर पर पात्रता से अधिक टेलीफोन सुविधाओं का उपयोग करने और बीएसएनएल तथा एमटीएनएल को 1.79 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोप में सीबीआई द्वारा दर्ज एक मुकदमा शामिल है। मारन ने कहा कि उन्हें किसी भी आपराधिक मामले में दोषी नहीं ठहराया गया है।

मंगलूरु में मछली प्रसंस्करण इकाई जलकर खाक

मंगलूरु। मंगलूरु के बैकमपाडी औद्योगिक क्षेत्र में एक मछली प्रसंस्करण इकाई बृहस्पतिवार तड़के जलकर खाक हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि तड़के लगभग पांच बजे फैक्टरी में आग लग जाने की सूचना मिली जिसके बाद अग्निशमन दल ने मौके पर पहुंच कर आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग इतनी तेज थी कि लगभग पूरी फैक्टरी तीन से चार घंटे में जलकर खाक हो गयी। यह फैक्टरी शिहार एंटरप्राइजेज की थी। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में बिजली के शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका लगती है, लेकिन पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग सुबह लगभग पांच बजे लगी जिसकी सूचना तुरंत अग्निशमन विभाग को दी गई।

दमकल की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने की कोशिश की लेकिन तब तक आग फैक्टरी के अन्य हिस्सों में फैल चुकी थी और जब तक अधिकारियों ने आग पर पूरी तरह से काबू पाया तब तक लगभग पूरी फैक्टरी जल चुकी थी।

चेन्नई रिफाइनरी के विस्तार की लागत 3,600 करोड़ रुपये से अधिक बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह चेन्नई में 90 लाख टन क्षमता की रिफाइनरी बनाने वाले संयुक्त उद्यम में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 75 प्रतिशत करेगी। परियोजना की लागत 12 प्रतिशत से अधिक बढ़ने के बाद कंपनी ने यह बात कही है। मूल रूप से, आईओसी और उसकी अनुषंगी कंपनी चेन्नई पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (सीपीसीएल) को संयुक्त उद्यम में 25-25 प्रतिशत हिस्सेदारी रखनी थी। संयुक्त उद्यम को सीपीसीएल की मौजूदा रिफाइनरी के निकट एक नई इकाई का निर्माण करना था। शेष 50 प्रतिशत इक्विटी वित्तीय निवेशकों से आनी थी।

आईओसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने बृहस्पतिवार को बैठक में परियोजना की लागत को 29,361 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 33,023 करोड़ रुपये करने की मंजूरी दे दी। लागत 3,662 करोड़ रुपये यानी 12.5 प्रतिशत बढ़ गयी है। सूचना में कहा गया है, ''निदेशक मंडल ने संयुक्त उद्यम की पूंजी संरचना में संशोधन को भी मंजूरी दे दी है। इसके तहत इंडियन ऑयल की 75 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी और सीपीसीएल की 25 प्रतिशत इक्विटी होगी।'' हालांकि, कंपनी ने लागत बढ़ने का कारण नहीं बताया।

आईओसी ने कहा कि निदेशक मंडल ने 29 जनवरी, 2021 को दक्षिण भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग को पूरा करने के लिए 29,361 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर तमिलनाडु के नागापत्तनम के कावेरी बेसिन में 90 लाख टन सालाना क्षमता की रिफाइनरी के क्रियान्वयन को मंजूरी दी थी। इसका विकास सीपीसीएल को करना था।

इसके साथ ही, आईओसी और सीपीसीएल के बीच एक संयुक्त उद्यम के गठन को भी मंजूरी दी गई, जिसमें 50 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी होगी और शेष 50 प्रतिशत वित्तीय/रणनीतिक/सार्वजनिक निवेशकों के पास होगी। इसके बाद 'कावेरी बेसिन रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड' (सीबीआरपीएल) नाम की संयुक्त उद्यम कंपनी छह जनवरी, 2023 को स्थापित की गई। रिफाइनरी को 48 महीने में बनना था।

आईओसी ने अपनी अनुषंगी कंपनी सीपीसीएल की 10 लाख टन सालाना क्षमता वाली नागापत्तनम रिफाइनरी को बंद करने और बिल्कुल नई 90 लाख टन क्षमता वाली इकाई बनाने की योजना बनाई थी।

नेशनल ईरानियन ऑयल कंपनी (एनआईओसी) इस परियोजना में भागीदार नहीं है। एनआईओसी की सीपीसीएल में 15.4 प्रतिशत हिस्सेदारी है और वह पहले विस्तार परियोजना में भाग लेने का इच्छुक थी। हालांकि, ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण वह इसमें शामिल नहीं हो पायी। इंडियन ऑयल की सीपीसीएल में 51.89 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

सांसद डी.के. सुरेश के पास 593 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति, पांच वर्ष में 75 प्रतिशत वृद्धि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलोर ग्रामीण से कांग्रेस के सांसद डी.के. सुरेश के पास 593 करोड़ रुपये की संपत्ति है और इसमें पिछले पांच साल में 75 प्रतिशत वृद्धि हुई है। उपमुख्यमंत्री व कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के प्रमुख डी. के. शिवकुमार के छोटे भाई सुरेश ने 2019 के आम चुनाव से पहले 339 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की थी।

बेंगलोर ग्रामीण से इस बार भी चुनाव लड़ रहे सुरेश ने बृहस्पतिवार को नामांकन पत्रों के साथ एक हलफनामा दाखिल किया है, जिसके अनुसार उनके बैंक खातों में 16.61 करोड़ रुपये जमा हैं। सुरेश (57) के पास 21 स्थानों पर

32.76 करोड़ रुपये की कृषि भूमि, 27 स्थानों पर 210.47 करोड़ रुपये की गैर-कृषि भूमि, 211.91 करोड़ रुपये की नौ वाणिज्यिक इमारतें और 27.13 करोड़ रुपये की तीन आवासीय इमारतें हैं। हलफनामे के अनुसार उन पर 150.06 करोड़ रुपये की देनदारियां और 57.27 करोड़ की 'विवादाधीन देनदारियां' हैं।

एलसीए एमके 1ए ने सफलतापूर्वक भरी उड़ान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेजस एमके 1ए विमान श्रृंखला के पहले विमान एलए 5033 ने गुरुवार को यहां एचएएल फेसेलिटी से सफलतापूर्वक उड़ान भरी। भू-राजनीतिक कारणों से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, एचएएल विमान के डिजाइन और विकास के साथ-साथ इस मील के पत्थर को हासिल करने में कामयाब रहा।एचएएल के सीएमडी सीबी अनंतकृष्णन ने चुनौतियों के मद्देनजर इस उपलब्धि के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, एचएएल ने फरवरी 2021 में

अनुबंध पर हस्ताक्षर के बाद वैश्विक भू-राजनीतिक माहौल में प्रमुख आपूर्ति श्रृंखला चुनौतियों के बीच समवर्ती डिजाइन और विकास के साथ इस महत्वपूर्ण उत्पादन मील का पत्थर हासिल किया। 18 मिनट की उड़ान का संचालन मुख्य परीक्षण पायलट, ग्रुप कैप्टन केके वेणुगोपाल (सेवानिवृत्त) ने किया।

एचएएल ने तेजस एमके 1ए कार्यक्रम की सफलता में योगदान के लिए रक्षा मंत्रालय, भारतीय वायु सेना, डीआरडीओ/एडीए, सीईएमआईएलएसी, डीजीएक्यूए और एमएसएमई सहित विभिन्न हितधारकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

माना जा रहा है कि तेजस एमके 1ए में उन्नत इलेक्ट्रॉनिक रडार, युद्धकला, संचार प्रणाली, अतिरिक्त लड़ाकू क्षमताएं और बेहतर रखरखाव सुविधाएं होंगी, जिससे इसके समग्र प्रदर्शन और प्रभावशीलता में वृद्धि होगी।

पुडुचेरी में 27 नामांकन पत्र स्वीकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। लोकसभा चुनाव के तहत पुडुचेरी की एकमात्र सीट के लिए 34 में से 27 नामाकंन पत्र स्वीकार किए गए। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुडुचेरी के जिला निर्वाचन अधिकारी ए. कुलोथुंगन ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश की एकमात्र लोकसभा सीट के लिए 34 उम्मीदवारों द्वारा दाखिल नामांकन की जांच के बाद 27 को स्वीकार किया गया। नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 30 मार्च है और मतदान 19 अप्रैल को होगा।

बेंगलूरु कैफे विस्फोट

एनआईए ने दो और संदिग्धों को हिरासत में लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में दो और संदिग्धों को हिरासत में लिया है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। आरोपियों को बेंगलूरु से हिरासत में लिया गया। सूत्रों ने कहा कि आरोपियों पर हमलावर के संपर्क में होने का संदेह है और हिरासत में लिए गए व्यक्ति प्रतिबंधित अल-हिंद ट्रस्ट से जुड़े हैं।

हालांकि, एनआईए की ओर से अभी आधिकारिक बयान आना बाकी है। ब्लास्ट मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। चार लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनमें गुरुवार को लिए गए दो लोग शामिल हैं। एक संदिग्ध को पहले हिरासत में लिया गया था लेकिन पूछताछ के बाद उसे जाने दिया गया। अधिकारियों ने बुधवार को बेंगलूरु में पांच, शिवमोग्गा में 15 और चेन्नई में छह स्थानों पर छापेमारी की थी। सूत्रों ने बताया कि एनआईए ने विस्फोट के मुख्य आरोपी की पहचान कर ली है। बताया जा रहा है कि आरोपी कर्नाटक के शिवमोगा का रहने वाला है। मुख्य आरोपी के अपने सहयोगियों के साथ तमिलनाडु में कई स्थानों पर रहने के बारे में केंद्रीय एजेंसियों से खुफिया जानकारी मिली थी।

एजेंसी ने मंगलवार को बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट मामले में दो संदिग्धों को हिरासत में लिया था। शुरूआती जांच से पता चला कि ये दोनों संदिग्ध हमलावर के सीधे संपर्क में थे। हालांकि एनआईए और पुलिस टीमों ने अलग-अलग राज्यों में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन हमलावर पकड़ से बाहर है। अधिकारियों ने विस्फोट की घटना के तुरंत बाद 1 मार्च को सीसीटीवी फुटेज से हमलावर की तस्वीरें और वीडियो प्राप्त किए थे। सूत्रों ने कहा कि अधिकारियों को संदेह है कि हमलावर तमिलनाडु से आया था और विस्फोट को अंजाम देने से पहले दो महीने तक कर्नाटर में रहा था।

कोलार सीट की दुविधा के कारण कोई भी सदस्य कांग्रेस नहीं छोड़ेगा : शिवकुमार

बेंगलूरु। कर्नाटक में कोलार लोकसभा सीट के आवंटन को लेकर कांग्रेस के भीतर चल रहे तनाव के जवाब में, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने गुरुवार को आश्वासन दिया कि इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के साथ बैठक में बात की जायेगी साथ ही इस मुद्दे पर पार्टी का कोई भी सदस्य इस्तीफा नहीं देगा।

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, कोलार में टिकट के लिए उम्मीदवारों का दबाव है। मुख्यमंत्री के साथ बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी। इस पर कोई भी पार्टी से इस्तीफा नहीं देगा।इस दौरान उन्होंने व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की तुलना में पार्टी के सामूहिक हित पर अधिक जोर दिया। उपमुख्यमंत्री ने बेंगलूरु ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जेडीएस के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने की कांग्रेस पार्टी की क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने देवेगौड़ा परिवार के खिलाफ पिछली चुनावी जीतों

गुरुवार को बेंगलूरु में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कोलार लोकसभा क्षेत्र के टिकट मुद्दे को लेकर वहां के विधायकों के साथ मंत्रणा की।

पर भी प्रकाश डाला, ऐसे उदाहरणों का हवाला देते हुए जहां कांग्रेस के उम्मीदवार जबरदस्त विरोध का सामना करने के बावजूद विजयी हुए। शिवकुमार ने विशेष रूप से कुमारस्वामी और अनीता कुमारस्वामी पर जीत का उल्लेख किया, जो क्षेत्र में पार्टी की सफलता के ट्रैक रिकॉर्ड को दर्शाता है। उन्होंने इन सफलताओं का श्रेय लोगों के निरंतर समर्थन और निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी की मजबूत उपस्थिति को दिया। चित्रदुर्गा से गोविंद करजोल को मैदान में उतारने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के फैसले के संबंध में एक सवाल का जवाब देते हुए, शिवकुमार ने कांग्रेस के अपने उम्मीदवार चंद्रप्पा की ताकत पर जोर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि मौजूदा सांसदों और मंत्रियों को टिकट न देने सहित भाजपा द्वारा उम्मीदवारों की पसंद राज्य में भाजपा के भीतर आंतरिक कमजोरियों का संकेत है। कांग्रेस के स्टार प्रचारकों के बारे में प्रश्नों को संबोधित करते हुए,श्री शिवकुमार ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कर्नाटक से ही आते हैं।

उन्होंने उल्लेख किया कि पार्टी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी से संपर्क करके कर्नाटक में प्रचार के लिए उनकी उपस्थिति का अनुरोध किया था। श्री शिवकुमार ने हालांकि, इन नेताओं की राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को भी स्वीकार किया, जिसका अर्थ है कि अभियान उद्देश्यों के लिए देश भर में उनकी व्यापक यात्रा के कारण कर्नाटक में उनकी उपलब्धता सीमित हो सकती है। कर्नाटक की 28 लोकसभा सीटों के लिए दो चरणों में 26 अप्रैल और 07 मई को मतदान होगा। मतगणना 04 जून को होगी।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में कर्नाटक के राजनीतिक परिदृश्य में एक उल्लेखनीय बदलाव देखा गया, जिसमें भाजपा रिकॉर्ड 25 सीटें हासिल करके प्रमुख ताकत के रूप में उभरी। इसके विपरीत, कांग्रेस और जेडीएस गठबंधन को काफी झटका लगा और वह केवल एक-एक सीट ही जीत पाई।

एयर कमोडोर संतोष केपी हेगड़े ने वायुसेना स्टेशन की कमान संभाली

बेंगलूरु। एयर कमोडोर संतोष केपी हेगड़े ने गुरुवार को एयर कमोडोर सरबजीत सिंह से वायुसेना स्टेशन जलाहल्ली की कमान संभाली। इस अवसर पर परेड का आयोजन किया गया। एयर फोर्स टेक्निकल कॉलेज के पूर्व छात्र एयर कमोडोर संतोष केपी हेगड़े 27 नवंबर, 1995 को एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रॉनिक्स) शाखा में नियुक्त किए गए थे।

वे भारतीय विज्ञान संस्थान से माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक सिस्टम में स्नातकोत्तर हैं। भारतीय वायुसेना में 28 वर्षों की अपनी सेवा में उन्होंने विभिन्न फील्ड और स्टाफ नियुक्तियों पर काम किया है, जिसमें विभिन्न हेलीकॉप्टर इकाइयों में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, कॉलेज ऑफ डिफेंस वारफेयर में निर्देशन स्टाफ और एएफएलई, कोरवा के कमांडिंग अफसर का पद शामिल है। वायु अधिकारी ने कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट, सिकंदराबाद में उच्च रक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम (एचडीएमसी) पूरा किया है। उनकी विशिष्ट सेवा के लिए वायुसेना प्रमुख द्वारा उनकी सराहना की गई है।

सुविचार

जीवन ना तो भविष्य में है और ना ही अतीत में है जीवन, जीवन तो केवल वर्तमान में है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अमेरिका की 'चिंता'!

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के संबंध में अमेरिका की टिप्पणी कि वह 'निष्पक्ष, पारदर्शी, समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करता है' और उसे नहीं लगता कि किसी को इस पर आपत्ति होनी चाहिए', पर यही कहना उचित होगा कि वह 'न तो तीन में और न तेरह में', इसलिए भारत के आंतरिक मामलों को लेकर ऐसे 'प्रोत्साहन' देना बंद करे। अरविंद केजरीवाल पर जो भी आरोप लगे हैं, उनसे संबंधित तथ्य भारत की जांच एजेंसी और न्यायालय के सामने हैं। यह जिस स्तर का मामला है, उस पर किसी को भी अनावश्यक बयानबाजी से दूर रहना चाहिए। जब मामले में सबूत जुटाए जा रहे हैं और न्यायालय सुनवाई कर रहा है तो अमेरिका को क्या जरूरत है कि वह 'दाल-भात में मूसलचंद' बने? इसमें न्याय भारत के न्यायालय को करना है। अगर केजरीवाल के खिलाफ पुख्ता सबूत मिले और न्यायालय ने उन्हें सही माना तो वही निर्णय आएगा, जो ऐसे किसी भी मामले में आना चाहिए। अगर सबूत नहीं मिले और केजरीवाल इस प्रकरण से जुड़े नहीं पाए गए तो निश्चित रूप से न्यायालय राहत देगा। क्या देश में ऐसे मामलों की कमी है, जिनमें जांच एजेंसियों के दावों को न्यायालय ने खारिज करते हुए आरोपियों को रिहा न किया हो? बहुत लोग रिहा हुए हैं। कौन दोषी है और कौन निर्दोष है, यह निर्णय भारत के न्यायालय को करना है, न कि व्हाइट हाउस को। इसलिए अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर, जो कहते हैं कि 'हम दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी सहित इन कार्रवाइयों पर बारीकी से नजर रखना जारी रखेंगे', भारत के किसी भी नागरिक से जुड़े कानूनी मामले की चिंता करना छोड़ें और अपने देश से जुड़े मामलों पर ध्यान दें।

यह भी दिलचस्प है कि भारत को निष्पक्ष, पारदर्शी, समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं और मानवाधिकारों एवं सहिष्णुता पर वे देश ज्यादा उपदेश देते हैं, जिनका खुद का रिकॉर्ड इन मामलों में बेहद खराब रहा है। क्या मि. मैथ्यू मिलर भूल गए कि उनका देश इन आदर्शों का पालन करने में कितना फिसड्डी है? अमेरिका ने इराक और अफगानिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ कथित युद्ध के नाम पर कितने निर्दोष लोगों पर बम बरसाए थे? मैथ्यू मिलर पिछले ढाई दशकों का ही इतिहास पढ़ लेंगे तो जान जाएंगे कि उनके देश ने कई बार तानाशाहों का समर्थन किया है। अमेरिका ने पाकिस्तान के तत्कालीन सैन्य तानाशाह परवेज मुशर्रफ की सहमति से कितने ही निर्दोष अफगानों को आतंकवादी घोषित कर बिना किसी कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए उन्हें वर्षों तक काल-कोठरी में बंद रखा था। ऐसे कई उदाहरण हैं, जब किसी दुकानदार, रिक्शाचालक, सब्जी विक्रेता ... को आतंकवाद के आरोपों में धर लिया गया और उन्हें जेल में डालकर खूब प्रताड़ित किया गया। वर्षों बाद जब वे लोग छूटे तो उनकी कहानियां सामने आईं। बेहतर होता कि अमेरिकी अधिकारी ऐसी ही चिंता उन लोगों की भी करते। उनके मामलों में निष्पक्ष, पारदर्शी, समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करते। निश्चित रूप से इस पर किसी को आपत्ति नहीं होती। अमेरिका को चाहिए कि वह अन्य देशों की राजनीति और कानूनी मामलों में दिलचस्पी लेने के बजाय अपने यहां होने वाले आगामी राष्ट्रपति चुनावों की फिक्र करे। इस समय उसकी जनता जो बाइडेन से मायूस है। उन्होंने जो बड़े-बड़े वादे किए थे, वे हवाई बातें साबित हुए। ट्रंप की उम्मीदवारी पर अनिश्चितता के बादल मंडराते-छंटते जा रहे हैं, लेकिन यह भी आशंका जताई जा रही है कि उनके आने से अमेरिका में सामाजिक विभाजन और गहरा हो जाएगा। इसके नतीजे में हिंसा भी भड़क सकती है। उम्मीद है कि अमेरिकी अधिकारी अपने यहां 'निष्पक्षता, पारदर्शिता और समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं' का होना सुनिश्चित करेंगे। इस पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

धर्म ध्वज रक्षक छत्रपति शिवाजी महाराज राष्ट्र के प्रेरणा पुरुष हैं। धर्म व मानवीय मूल्यों की रक्षार्थ अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले शिवाजी महाराज का जीवन हमें सदैव अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता रहेगा। शिवाजी महाराज की जयंती पर चरणों में वंदन करती हूँ।

-वसुंधरा राजे

आज भाजपा कार्यालयगुरुग्राम में भाजपा हरियाणा के क्लस्टर प्रभारी, लोकसभा प्रभारीसंयोजक और लोकसभा विस्तारक की बैठक 10 की 10 सीटां पै कमल खिलैंगे के मजबूत संकल्प के साथ संपन्न हुईं। इस बैठक में टीम के सदस्य गण उपस्थित रहे।

-सतीश पूनिया

नागौर लोकसभा क्षेत्र के हर गांव ढाणी व शहरों के तमाम परिवारजनों को आपकी बेटी का सप्रेम राम राम। मैं बड़े-बुजुर्गों के आशीर्वाद, नौजवान शुभचिंतक भाइयों के प्रेम की बदौलत इस बार भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के रूप में आपके स्नेह की पूर्ववत प्रबल आकांक्षी हूं।

-ज्योति मिर्धा

प्रेरक प्रसंग

पुण्य की तार्किकता

आचार्य चतुरसेन शास्त्री एक बार त्रिवेणी स्नान को गए। जब वे नहाने लगे तो एक पंडा उनके पास आकर बोला- दूध चढ़ाइए महाराज! शास्त्री जी ने कहा- इससे क्या लाभ होगा? 'पुण्य होगा- गंगा में दूध चढ़ाना हिंदू धर्म है।' वे बोले- चढ़ा दो! पंडे ने पूछा- कितना दूध यजमान! उन्होंने कहा- लोटे में है ही कितना, सारा चढ़ा दो। पंडे ने सारा दूध गंगा में बहा दिया और घाट पर बैठकर शास्त्री जी बाट जोहने लगा। शास्त्री जी जब नहा कर चलने लगे तो पंडा बोला- 'पैसे दीजिए यजमान?' 'पैसे कैसे?' 'दूध चढ़ाया था न।' 'फिर क्या बुरा किया?''ओहो! आप पैसे दीजिए।' 'पैसे क्यूँ दूँ?' 'आपके कहने से दूध चढ़ाया है।' 'भले आदमी पुण्य ही तो किया? हर्ज क्या है?' 'मैंने आपके नाम का दूध चढ़ाया है।' 'तुमने अपने नाम का क्यों नहीं चढ़ाया?' 'यदि तुम चढ़ाओ तो तुम्हें पुण्य नहीं होगा?' 'होगा क्यों नहीं।' 'तो फिर पुण्य लूटो। क्या पैसे पुण्य से भी बढ़कर हैं?' यह कहकर शास्त्री जी चल दिए। पंडा उनके पीछे दौड़ा और बोला- 'महाराज, पुण्य आप लीजिए, मुझे तो पैसे दीजिए।' 'क्यों, क्या पुण्य से तुम्हारा पेट भर गया है?' इतना कह वे आगे बढ़ गए।

सामयिक

मजबूत विपक्ष की भूमिका से कांग्रेस क्यो हो रही दूर?

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

देश की सबसे पुरानी एवं मजबूत कांग्रेस पार्टी बिखर चुकी है, पार्टी के कद्दावर, निष्ठाशील एवं मजबूत जमीनी नेता पार्टी छोड़कर अपनी सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी पार्टी भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे हैं, वह भी तब जब लोकसभा चुनाव सन्निकट है। कांग्रेस नेताओं का यह दलबदल आश्चर्य की बात हैं, पार्टी छोड़ने का जैसा सिलसिला चल रहा है, वह देश के इस सबसे पुराने दल की दयनीय दशा और स्याह भविष्य को ही रेखांकित करता है। हालांकि भाजपा और कुछ अन्य दलों के चंद नेता कांग्रेस की शरण में भी गए हैं, लेकिन इसकी तुलना में उसके नेताओं के पार्टी छोड़ने की संख्या कहीं अधिक है। प्रश्न है एक लोकतांत्रिक संगठन की यह दुर्दशा एवं रसातल में जाने की स्थितियां क्यों बनी? इसके कारणों की समीक्षा एवं आत्म-मंथन जरूरी है। कांग्रेस पार्टी लगातार न केवल हार रही है, बल्कि टूट एवं बिखर रही है, जनाधार कमजोर हो रहा है, इन बड़े कारणों के बावजूद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने न इसकी समीक्षा की, न विश्लेषण किया। कांग्रेस पर वंशवाद एवं पुत्रमोह का ठप्पा लगा हुआ है। पार्टी में आंतरिक प्रजातंत्र नहीं है। शीर्ष नेतृत्व निर्णय लेने में अक्षम है। बहुसंख्यकों के कल्याण की कोई नीति नहीं है। तुष्टीकरण नीति भी उसके लिए घातक साबित हो रही है। इन बड़े कारणों के बावजूद पार्टी में सन्नाटा पसरे होने के कारण ही अनेक जिम्मेदार एवं कर्णधार नेता ही पार्टी छोड़कर जा रहे हैं या चले गये हैं। आज का कांग्रेसी शीर्ष नेतृत्व साम्प्रदायिक, असामाजिक, स्वार्थी, चाटुकारी एवं देश-विरोधी तत्वों के साथ इस तरह ताना-बाना हो गया है कि उससे निकलना मुश्किल हो गया है। सांप-छछूंदर की स्थिति है। न निकलते बनता है और न उगलते। कांग्रेस नेतृत्व सत्ता प्राप्ति की खुशफहमी और खोने के खतरे की फोबिया से ग्रस्त है।

कांग्रेस के नेताओं के कांग्रेस छोड़ने से पार्टी नेतृत्व को हैरान-परेशान होना चाहिए, लेकिन शायद ही ऐसा हो, क्योंकि राहुल गांधी आम तौर पर ऐसे नेताओं को डरपोक या अवसरवादी करार देकर कर्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं। वह और उनके करीबी यह देखने-समझने के लिए तैयार नहीं कि आखिर क्या कारण है कि एक के बाद एक नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते रवनीत सिंह का भाजपा में जाना इसलिए कांग्रेस के लिए एक बड़ा आघात है, क्योंकि पंजाब उन राज्यों में है, जहां कांग्रेस अपेक्षाकृत मजबूत दिखती है और भाजपा तीसरे-चौथे नंबर के दल के तौर पर देखी जाती है। बात पंजाब ही नहीं, महाराष्ट्र, हिमाचल एवं अन्य प्रांतों की भी ऐसी ही है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि कांग्रेस छोड़ने वालों में कई ऐसे नेता भी हैं, जो गांधी परिवार के करीबी माने जाते थे, जैसे अशोक चव्हाण, मिलिंद देवड़ा, सुरेश पचौरी। इसके पहले राहुल गांधी की युवा ब्रिगेड के सदस्य कहे जाने वाले अधिकांश नेता भी कांग्रेस से विदा ले चुके हैं। कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं में एक बड़ी संख्या उनकी है, जो अपना स्वतंत्र राजनीति वर्चस्व एवं पहचान रखते हैं, वे अपने जनाधार के लिए जाने जाते हैं। गांधी परिवार के करीबी एवं चाटुकार नेताओं में बहुत कम ऐसे हैं, जो अपने बलबूते चुनाव जीतने की क्षमता रखते हों।

प्रश्न है कि कांग्रेस की यह दशा क्यों बनी? देश की विविधता, स्वरूप और संस्कृति को बांधे रखकर चलने वाले अतीत के कांग्रेसी नेता, जिनकी मूर्तियों और चित्रों के सामने हम अपना सिर झुकाते हैं, पुष्प अर्पित करते हैं- वे अज्ञानी नहीं थे। उन्होंने अपने खून-पसीने से भारत-माँ के चरण पखारे थे। आज उनकी राष्ट्रीय सोच एवं जनकल्याण की भावना को नकारा जा रहा है, उन्हें अदूरदर्शी कहा जा रहा है। कांग्रेस में धीरे-धीरे जमीनी धरातल पर कार्य करने वाले बड़ी सोच वाले कार्यकर्ता कम हो गए और नेताओं के चापलूस बढ़ गए। ये चापलूस ही आगे बढ़े और कांग्रेस की टूट का कारण बने हैं। वक्त यह सब कुछ देख रहा है और करारा थपड़ भी मार रहा है। कांग्रेस विश्वसनीय और नैतिक नहीं रही और सत्ता विश्वास एवं नैतिकता के बिना ठहरती नहीं। शेरनी के दूध के लिए सोने का पात्र चाहिए। कांग्रेस अपना राष्ट्रीय दायित्व एवं सांगठनिक जिम्मेदारी राजनीतिक कौशल एवं नैतिकतापूर्ण ढंग से नहीं निभा रही। अंधेरे को कोसने से बेहतर था कि कोई तो पार्टी में एक मोमबत्ती जलाता। रोशनी करने की ताकत निस्तेज होने का ही परिणाम है कि वक्त ने सीख दे दी। इसी का परिणाम है कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं की संख्या तेजी से बढ़ती चली जा रही है, उससे तो यह लगता है कि पार्टी छोड़ो जैसा कोई अभियान चल रहा है। राहुल गांधी भले ही यह दिखाएं कि कांग्रेस नेताओं के जाने से पार्टी की सेहत पर फर्क नहीं पड़ता, लेकिन सच तो यह है अब फर्क पड़ता दिख रहा है। आने वाले लोकसभा चुनाव के परिणाम इस फर्क को और अधिक स्पष्ट कर देंगे। कुछ नेता चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं और कुछ तो प्रत्याशी घोषित होने के बाद अपने कदम पीछे खींच चुके हैं। कांग्रेस भले ही यह दिखा रही हो कि वह भाजपा का मुकाबला करने मे समर्थ है, लेकिन यह किसी से छिपा नहीं कि वह अपने नेतृत्व वाले मोर्चे इंडिया महागठबंधन को वैसा आकार नहीं दे सकी, जिसकी आशा की जा रही थी। इसके लिए कांग्रेस अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकती। कांग्रेस का क्षरण इसलिए शुभ संकेत नहीं, क्योंकि भाजपा के समक्ष वही सही मायने में एक राष्ट्रीय दल है। अन्य राष्ट्रीय दलों में कोई भी ऐसा नहीं, जिसकी जड़ें देश भर में हों। लोकतंत्र में एक मजबूत विपक्ष भी आवश्यक होता है, लेकिन सत्तापक्ष उसकी मजबूती की चिंता नहीं कर सकता।

कांग्रेस पार्टी में शीर्ष नेतृत्व कमजोर हो गया है। वंशवाद, परिवारवाद के कारण कांग्रेस पार्टी दिनोंदिन डूबती जा रही है। पहले कांग्रेस नेताओं के लिए लोककल्याण पहली प्राथमिकता होती थी, लेकिन आज मोदी-विरोध उसकी प्राथमिकता है। मोदी-विरोध के नाम पर वह कभी-कभी राष्ट्र-विरोध करने लगती है, उनकी इस प्राथमिकता में बदलाव आने से भी पार्टी कमजोर हुई हैं। कांग्रेस अपनी तुष्टीकरण की नीति की वजह से भी कमजोर हो रही है। अगर इसमें बदलाव नहीं करती है, तो उसकी हालत बद से बदतर हो जाएगी। इस बात का समझना होगा कि कोई भी दल बहुसंख्यकों को नाराज करके देश पर राज नहीं कर सकता। राहुल गांधी क्या बोलते है, क्या सोचते है, कोई स्पष्ट सन्देश ही नहीं मिल पाता। कांग्रेस में कोई निर्णय ऐसा लिया जाता है, जो निर्णय होता ही नहीं। लोग समझते ही नहीं कि क्या कहा गया है। इसी कारण कई नेता नेपथ्य में चले गये हैं पर आभास यही दिला रहे हैं कि हम मंच पर हैं। कई मंच पर खड़े हैं पर लगता है उन्हें कोई प्रोम्प्ट कर रहा है। बात किसी की है, कह कोई रहा है। इससे तो कठपुतली अच्छी जो अपनी तरफ से कुछ नहीं कहती। जो करवाता है, वही करती है। कठपुतली के अलावा कुछ और होने का वह दावा भी नहीं करती। किसी परिवार में तो यह चल सकता है लेकिन एक राष्ट्रीय दल को ऐसे नहीं चलाया जा सकता। लम्हों की खता सदियों को भुगतनी पड़ती है। शीर्ष नेतृत्व की गलत सोच, गलत निर्णय, गलत प्रेरणा न केवल पार्टी को बल्कि राष्ट्र के ताने-बाने को उधेड़ देते हैं, ऐसा ही कांग्रेस में हो रहा है। समूचे देश में कांग्रेस के अपरिपक्व राजनीति एवं कुप्रबंधन के उदाहरण भरे पड़े हैं। ऐसी सूरत में सवाल उठता है कि 2019 में 52 सीट पर सिमट गई कांग्रेस क्या 2024 में हाफ सेंचुरी भी लगा पाएगी? ऐसा लगता है कि बीजेपी के 'कांग्रेस-मुक्त भारत' अभियान में कांग्रेस की नीतियां एवं नेतृत्व मोह सहयोगी बन रहे हैं।

नजरिया

चीन के खिलाफ नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका चीन आउट का नारा इसलिए नहीं लगाते हैं कि चीन एक अराजक और हिंसक शक्ति है, चीन कर्ज और लालच के माध्यम से अपने पडोसी देशों की गर्दन पकड कर रखता है, अगर कोई पडोसी देश उसके खिलाफ बोलने लगेगा और उसके खिलाफ कोई विरोधी कदम उठा लिया तो फिर चीन उसकी गर्दन पकड़ कर मरोड़ देगा। हम यह नहीं कहते हैं कि भारत भी चीन का अनुशरण करें और अपने हितों के सामने पडोसी देशों के हितों की कब्र खोदे, ऐसी कूटनीति तो अमानवीय होगी, अस्वीकार होगी। पर हमें ऐसे देशों को एक न एक दिन सबक तो सिखाना ही होगा।

ऐसे बुझेगी इंडिया आउट की बढ़ती आंच

आचार्य विष्णु हरि
मोबाइल : 9315206123

कभी आपने अमेरिका के खिलाफ पडोसी देशों का अमेरिका आउट की खतरनाक प्रबृति की बढती आंच देखी है? कभी बर्बर और अमानवीय देश चीन के खिलाफ पडोसी देशों द्वारा चीन आउट की कूटनीति देखी है? कभी दुनिया के अन्य मजबूत देशों जैसे जर्मनी, इटली, फ्रांस और ब्रिटेन आदि के खिलाफ ऐसी प्रबृति आपने देखी है? फिर भारत ही क्यो इंडिया आउट के घृणित और जहरीले अभियान का शिकार होता है? क्या भारत के पडोसी देश भारत आउट की कूटनीति नहीं अपनाते हैं, भारत की संप्रभुत्ता और अस्मिता को कुचलने की कोशिश नहीं करते हैं? क्या मालदीव जैसे पडोसी देश जो खुद भारत की सहायता और भारत के पर्यटकों पर जीवित रहता है वह मालदीव भारत आउट का अभियान नहीं चलाता है, क्या उसने अपने यहां से भारत आउट के अभियान के तहत भारतीय सैनिकों की वापसी नहीं करायी? क्या नेपाल में भी भारत आउट का नारा नहीं लगता है? क्या कभी श्रीलंका के शासकों ने भारत आउट के अभियान के तहत तमिल टाइगर के प्रकरण पर भारत के खिलाफ जहरीले बोल नहीं बोलते थे? क्या भारत आउट के नारे और ग्रंथी के कारण पडोसी देश चीन की गोद में जाकर नहीं बैठते हैं, क्या चीन के मोहरा बन कर चीन के हितों का संरक्षण नहीं करते हैं, क्या चीन के कहने पर पडोसी देश भारत के खिलाफ जहर नहीं उगलते हैं? सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं बल्कि नेपाल और श्रीलंका और बांग्लादेश में चीनी सहायता से भारत विरोधी भावनाएं भडकायी जा रही है। भारत मदद रोंके, संकट के समय भी उदासीन बना रहे, अपने कर्ज की वसूली करे, अपनी भूमि का उपयोग करने से रोके और उन्हें उनके खुद के हाल पर छोडे तो फिर भारत विरोधी पडोसी देश भारत के हितों और संप्रभुत्ता की चरणवंदना करना शुरू कर देंगे।

अभी भी भारत के खिलाफ पडोसी देशों का भारत आउट का घृणित अभियान नहीं रूका है। अभी-अभी बांग्लादेश में भारत आउट का नारा सुनाई पड़ रहा है, भारतीय हितों की कब्र खोदने की कोशिश जारी है, भारत की अस्मिता के खिलाफ वातावरण तैयार किया जा रहा है। बांग्लादेश में सुखद स्थिति यह है कि इस समय भारत की मित्र मानी जाने वाली शेख हसीना की सरकार है, शेख हसीना की मानसिकता में भारत विरोध की कोई ग्रंथी नहीं है, वह तो भारत आउट के अभियान को तर्क पूर्ण ढंग से खारिज करती हैं और ऐसी मानसिकता के सहचरों को नियंत्रण में भी रखने की कोशिश करती है। फिर भी लोगों में भारत विरोधी भावनाओं को स्थापित करने की कोशिश तो जारी ही रहती है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पाटी ने भारत आउट का नारा देकर भारत की वस्तुओं और परियोजनाओं का बहिष्कार करने का अभियान चलाया है। बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी के संयुक्त सचिव रूहुल कबीर रिजवी ने कश्मीरी शॉल को अपने शरीर से उतारा और फेंक दिया, यह कदम उनका भारत आउट का प्रतीक था। रूहुल कबीर रिजवी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर भारत आउट का अभियान अब चरम पर है, बांग्लादेश की जनता अब भारत आउट से सहमत हैं, लेकिन शेख हसीना की सरकार भारत का मोहरा हैं, भारत हमारा जन्मजात दुश्मन है, भारत से हमारा कोई लाभ नहीं है, इसलिए भारत की वस्तुओं और सभी भारतीय प्रतीकों के प्रति असहिष्णुता जाहितर करने और बहिष्कार का अभियान चलाना जरूरी है। बीएनपी पार्टी का यह रूख मजहबी भी है, क्योंकि यह पार्टी कट्टर इस्लाम और जिहादी इस्लाम में विश्वास करती है। बीएनपी जब सत्ता में थी और शेख जिया प्रधानमंत्री हुआ करती थी तब बांग्लादेश को जिहादी इस्लाम में तब्दील करने की पूरी कोशिश हुई थी, पाकिस्तान और आईएसआई की खतरनाक उपस्थिति थी, भारत के खिलाफ जिहाद करने वाले इस्लामिक आतंकवादियों को शरण दिया जाता था। ऐसी खतरनाक परिस्थितियो के कारण उस काल में भारत और बांग्लादेश के कूटनीतिक संबंध नाजुक दौर से गुजरा था। शेख जिया सरकार के पतन के बाद आयी शेख हसीना की सरकार ने भारत विरोधी जमात को नियंत्रित करने का काम किया था। लेकिन अब फिर से बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाओं को हवा-पानी देने की राजनीति चरम पर है।

क्या भारत सही में एक बर्बर और अमानवीय देश है? अगर नहीं तो फिर पडोसी देशों द्वारा भारत आउट का अभियान क्यों चलाया जाता है? दुनिया में भारत वह देश है जो अपने पडोसियों की संप्रभुत्ता का ख्याल रखने में अव्वल है, पडोसियों की मदद और सहायता करने में पीछे नहीं रहता है, सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि भारत पडोसियों को संकट के समय सर्वश्रेष्ठ सहायता करता है। श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के विध्वंस को याद कीजिये। जब श्रीलंका की अर्थव्यवस्था विध्वंस हुई थी, चीनी कर्ज से श्रीलंका दिवालिया हुआ था तब भारत आगे आकर श्रीलंका की मदद की थी, भारत ने यह नहीं सोचा था कि श्रीलंका के शासकों ने भारत के हितों के खिलाफ चीन की गोद में बैठे थे और चीन के मोहरा बन कर भारतीय हितों को कुचलने जैसे काम किये थे। मालदीव में जब जल संकट उत्पन्न हुआ था तब उसकी मदद चीन, पाकिस्तान, सउदी अरब, तुर्की या मलेशिया जैसे मुस्लिम देशों ने नहीं की थी, अमेरिका, ब्रिटेन या फ्रांस, रूस जैसी बडी शक्तियों ने नहीं की थी। फिर जल संकट को दूर कौन किया था? मालदीव के जल संकट को भारत ने दूर किया था, भारत के इंजीनियरों ने रातोरात जल संयत्र लगाकर मालदीव के लोगों की प्यास से जन बचायी थी। नेपाल में जब भुकम्प आया था तब नेपाल की सहायता चीन नहीं की थी। नेपाल की उस समय सहायता भारत ने ही की थी। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहायता लेकर नेपाल गये थे, सैकडों करोड की धन राशि और वस्तुएं नेपाल को दिये थे। भारत अगर अपना संडक मार्ग बंद कर दे तो फिर नेपाल की जनता जीवन रक्षक वस्तुओं के अभाव में दम तोड देगी, लेकिन भारत ने इंडिया आउट के अभियान को नजरअंदाज कर नेपाल की मदद करता रहा है। भूटान एक मात्र पडोसी देश है जो हमारे हितों को कुचलने की चेष्टा नहीं करता है। जहां तक बांग्लादेश का प्रश्न है तो नरेन्द्र मोदी की सरकार ने हमेशा मित्र के रूप में सामने आये हैं और बांग्लादेश की मदद करने की कोई कसर नहीं छोडी है। फिर भी बांग्लादेश के वातावरण में भारत के खिलाफ जहर घोला जा रहा है। कोरोना काल में भारत ने सभी पडोसी देशों का वैक्सिन देकर जान बचायी थी।

ऐसा इसलिए होता है कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, चीन, अमेरिका, रूस जैसा अराजक शक्ति और हिंसक देश नहीं है भारत। भारत मदद और सहायता पडोसी देशों को कुचलने के लिए नहीं करता है। मानवीय दृष्टिकोण से ही भारत अपने पडोसी देशों की मदद करता है। भारत की मदद में कोई कठोर या फिर दबावकारी शर्त भी नहीं होते हैं। आसानी से मदद करने की भारत की प्रबृति ही सबसे कमजोर कडी है। पडोसी देश यह समझते हैं कि भारत हमसे डर कर मदद देता है, मदद देना भारत की मजबूरी है। यह सही भी है कि विरोधी रूख और चीन के हथकंडा बन कर रहने वाले पडोसी देशों की मदद करने में भारत पीछे कहां रहा है? चीन के खिलाफ नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका चीन आउट का नारा इसलिए नहीं लगाते हैं कि चीन एक अराजक और हिंसक शक्ति है, चीन कर्ज और लालच के माध्यम से अपने पडोसी देशों की गर्दन पकड कर रखता है, अगर कोई पडोसी देश उसके खिलाफ बोलने लगेगा और उसके खिलाफ कोई विरोधी कदम उठा लिया तो फिर चीन उसकी गर्दन पकड़ कर मरोड़ देगा। हम यह नहीं कहते हैं कि भारत भी चीन का अनुशरण करें और अपने हितों के सामने पडोसी देशों के हितों की कब्र खोदे, ऐसी कूटनीति तो अमानवीय होगी, अस्वीकार होगी। पर हमें ऐसे देशों को एक न एक दिन सबक तो सिखाना ही होगा। हमें उन्हें उनके खुद के हाल पर छोड देना चाहिए, मदद की बढती प्रवृति रोक देनी चाहिए, अपने कर्ज वसूलने की नीति अपनानी चाहिए। सिर्फ इतना करने मात्र इंडिया आउट का नारा देने वाले और अभियान चलाने वाले पडोसी देशों को हेकड़ी कब्र में दफन हो जायेगी।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ढोल

गया में हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (एचएएम) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार जीतन राम मांझी गुरुवार को गया में गया लोकसभा सीट के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद ढोल बजाते हुए।

गोविंदा ने की राजनीति में वापसी, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। नब्बे के दशक के मशहूर अभिनेता और शानदार हास्य कला व अनोखे नृत्य के लिए चर्चित गोविंदा 14 वर्ष के अंतराल के बाद बृहस्पतिवार को राजनीति में वापसी करते हुए महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना में शामिल हो गए। कांग्रेस के पूर्व लोकसभा सदस्य रहे गोविंदा चुनावी मौसम में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना में शामिल हुए।

दशकों लंबे करियर में कई सुपरहिट फिल्म में अभिनय करने वाले गोविंदा ने 2004 के चुनाव में चुनावी राजनीति में धमाकेदार प्रवेश किया था। हीरो नंबर 1 के अभिनेता गोविंदा ने उस साल बड़ा उलटफेर करते हुए मुंबई उत्तर लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिग्गज नेता राम नाइक को हराया था।

शिंदे ने 60 वर्षीय अभिनेता का पार्टी में स्वागत करते हुए कहा कि वह समाज के सभी वर्गों में लोकप्रिय हस्ती हैं।

इस मौके पर गोविंदा ने कहा कि 2004 से 2009 के बीच राजनीति में उनके पहले कार्यकाल के बाद उन्हें कभी नहीं लगा था कि वह इस क्षेत्र में वापसी करेंगे। अभिनेता ने कहा, मैं 14 वर्ष के वनवास के बाद (राजनीति में) लौटा हूं। गोविंदा का पूरा नाम गोविंदा आहूजा है। उन्होंने कहा कि अगर मौका मिला तो वह कला और संस्कृति के क्षेत्र में काम करेंगे। अभिनेता ने कहा कि शिंदे के मुख्यमंत्री बनने के बाद से मुंबई अधिक सुंदर और विकसित दिख रही है। अभिनेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का विकास अविश्वसनीय है। जून 2022 में मुख्यमंत्री बनने वाले शिंदे ने कहा कि मुंबई में सकारात्मकता व समृद्धि है और महानगर में प्रदूषण का स्तर भी कम हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोविंदा बिना किसी पूर्व शर्त के उनकी पार्टी में शामिल हुए हैं।

संबोधन

कठुआ में केंद्रीय मंत्री डॉ. गुरुवार को कठुआ शहर में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा की जनसभा को संबोधित करते हुए जितेंद्र सिंह।

फिनलैंड दुनिया का सबसे खुशहाल देश, हमारे शोध के अनुसार रैंकिंग धन और शक्ति आधारित

लुंड (स्वीडन)। फिनलैंड लगातार दुनिया के सबसे खुशहाल देश के रूप में कायम है। मार्च 2024 में देश को लगातार सातवें साल खुशहाली चैंपियन का दर्जा दिया गया। रैंकिंग एक सरल प्रश्न पर आधारित है, सीढ़ी रूपक का उपयोग करते हुए यह सवाल दुनिया के लगभग हर देश में लोगों से पूछा जाता है। लेकिन मेरी टीम के नए प्रायोगिक अध्ययन से पता चलता है कि सीढ़ी का रूपक लोगों को शक्ति और धन के बारे में सोचने पर मजबूर करता है।

2005 से, गैलप एनालिटिक्स संगठन पूरे ग्रह पर खुशी को मापने के लिए काम कर रहा है। यह मिशन विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि अधिक से अधिक सरकारें कहती हैं कि वे अपने लोगों की भलाई को प्राथमिकता दे रही हैं।

उदाहरण के लिए, अब यूके सहित सभी ओईसीडी देश अपने लोगों की खुशी मापते हैं। एक दशक से भी अधिक समय पहले, भूटान ने घोषणा की थी कि उनकी सरकार का प्राथमिक लक्ष्य ''सकल राष्ट्रीय खुशी'' है, न कि सकल घरेलू उत्पाद।

विश्व रैंकिंग एक सरल लेकिन शक्तिशाली प्रश्न पर आधारित है, जिसे कैंट्रिल लैडर कहा जाता है:

नाम के अनुरूप कृपया एक सीढ़ी की कल्पना करें जिसमें नीचे शून्य से लेकर शीर्ष पर दस तक सीढ़ियाँ अंकित हों। सीढ़ी का शीर्ष आपके लिए सर्वोत्तम संभव जीवन का प्रतिनिधित्व करता है और सीढ़ी का निचला भाग आपके लिए सबसे खराब संभव जीवन का प्रतिनिधित्व करता है। सीढ़ी के किस पायदान पर खड़े होकर आप कहेंगे कि आप व्यक्तिगत रूप से महसूस करते हैं कि आप इस समय यहां खड़े हैं?

जैसे ही आप प्रश्न पढ़ते हैं, सीढ़ी के शीर्ष का रूपक आपको क्या सोचने पर मजबूर करता है और यह किस चीज का प्रतिनिधित्व करता है? क्या यह प्यार है, पैसा है, आपका परिवार है – या कुछ और?

मैंने हाल ही में स्वीडन, अमेरिका और यूके के शोधकर्ताओं के एक समूह का नेतृत्व किया। हमने यूके के 1,600 वयस्कों पर एक अध्ययन में इन सवालों की जांच की, और नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स में अपने परिणाम प्रकाशित किए। हमने पाँच स्वतंत्र समूहों के साथ एक प्रयोग किया।

कांग्रेस सत्ता हासिल करने के लिए जबकि भाजपा जनता की सेवा के लिए चुनाव लड़ती है: धामी

पिथौरागढ़/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि कांग्रेस केवल कुर्सी के लिए चुनाव लड़ती है जबकि भाजपा जनता की सेवा और यह सुनिश्चित करने के लिए सत्ता चाहती है कि अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास के लाभ पहुंचें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक परिवार पर केंद्रित पार्टी है और केवल एक परिवार की बात करती है जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विकास की राजनीति की बात करती है।

अल्मोड़ा लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अजय टम्टा की दूसरी चुनावी सभा को संबोधित करते हुए धामी ने कहा कि कांग्रेस ने उत्तराखंड के गठन का विरोध किया था जबकि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इसकी स्थापना की।

पिछले दो साल में अपनी सरकार की प्रमुख उपलब्धियां गिनाते हुए धामी ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर विधेयक पारित करने और दंगाइयों को दंडित करने के लिए सख्त कानून बनाए जाने का जिक्र किया। उन्होंने डीडीहाट में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, हमने अपने कार्यकाल के पिछले दो वर्ष में कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

जानकारी

नई दिल्ली में अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने गुरुवार को नई दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में मीडिया को जानकारी देती हुईं।

निर्वाचन आयोग भारत के दूरस्थ क्षेत्र के अंतिम मतदाता तक पहुंचने के लिए प्रयासरत

नई दिल्ली/भाषा। जंगलों और बर्फ से ढके पहाड़ों को पार करते हुए, जीवन रक्षक जैकेट पहनकर नदियों से होकर गुजरते हुए, मीलों तक पैदल यात्रा करते हुए और घोड़ों तथा हाथियों पर ईवीएम ले जाते हुए, निर्वाचन आयोग के दल देश के कोने-कोने में, दूरस्थ क्षेत्रों में और सबसे दुर्गम स्थानों तक पहुंचते हैं ताकि कोई भी मतदाता मताधिकार से वंचित न रह जाए।

समुद्र तल से 15,000 फुट ऊंचाई पर दुनिया के सबसे ऊंचे मतदान केंद्र से लेकर एक टापू में शिपिंग कंटेनर में बनाए गए बूथ तक, आयोग दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि उद्देश्य यह है कि ''कोई भी मतदाता मताधिकार से वंचित न रह जाए।

इस महीने की शुरुआत में 18वीं लोकसभा के चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए कुमार ने कहा था, हम इसलिए अधिक से अधिक दूरी तय करेंगे ताकि मतदाताओं को न चलना पड़े। हम बर्फीले पहाड़ों और जंगलों में जाएंगे। हम घोड़ों, हेलीकॉप्टरों और पुलों से जाएंगे और यहां तक कि हाथियों और खच्चरों पर भी सवारी करेंगे ताकि हर कोई मतदान करने में सक्षम हो सके। आगामी लोकसभा चुनावों में, मणिपुर के आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के लिए राहत शिविरों में 94 विशेष मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। पिछले साल मई से मणिपुर में मेइती और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष में 200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

राहत शिविरों में या उसके निकट स्थापित किए जाने वाले इन बूथ पर 50,000 से अधिक विस्थापित लोग मतदान करने के पात्र होंगे। आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति में ताशीगांग में समुद्र तल से 15,256 फुट की ऊंचाई पर स्थित दुनिया का सबसे ऊंचा मतदान केंद्र है।

फिल्म 'भूल भुलैया 3' के फर्स्ट शेड्यूल की शूटिंग पूरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन की आने वाली फिल्म भूल भुलैया 3 के फर्स्ट शेड्यूल की शूटिंग पूरी हो गयी है। कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 2 ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया 2 लोगों को खूब पसंद आई थी। 'भूल भुलैया' के तीसरे पार्ट 'भूल भुलैया 3' में भी कार्तिक आर्यन की मुख्य भूमिका है।कार्तिक आर्यन के साथ भूल भुलैया 3 में तृप्ति डिमरी फीमेल लीड में शामिल हैं। कार्तिक आर्यन ने तृप्ति डिमरी के साथ रुह बाबा बन एक फोटो शेयर की है।

कार्तिक आर्यन फोटो में भूल भुलैया 3 का क्लैपरबोर्ड लेकर खड़े हैं। कार्तिक रूह बाबा के गेटअप में नजर आ रहे हैं। वहीं तृप्ति डिमरी उनके बगल में खड़ी हैं। मांथे पर बिंदी लगाए तृप्ति ट्रेडिशनल लुक में दिख रही हैं। यह भूल भुलैया 3 से तृप्ति डिमरी का पहला लुक है।कार्तिक आर्यन ने भूल भुलैया 3 के इस पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, टिंग टिंग टिंग टीडिंग टिंग टिंग... और हमने भूल भुलैया 3 का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है। शेड्यूल के बीच यह छोटा सा ब्रेक मुझे एक्साइटेड कर देता है... रूह बाबा के केप में कुछ अलग जादू है। अनीस बज्मी के निर्देशन में बन रही भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन के अलावा तृप्ति डिमरी और विद्या बालन की भी अहम भूमिका है।भूल भुलैया 3 का निर्माण टी-सीरीज के बैनर तले किया जा रहा है।

वेबसीरीज हीरामंडी : द डायमंड बाजार 1 मई को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्मकार संजय लीला भंसाली की आने वाली वेबसीरीज हीरामंडी: द डायमंड बाजार 01 मई को रिलीज होगी। हीरामंडी: द डायमंड बाजार में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, शर्मिन सहगल, ऋचा चड्ढा और संजीदा शेख जैसे कलाकार शामिल हैं। हीरामंडी: द डायमंड बाज़ार वेश्याओं और उनकी जिंदगी को लेकर बुनी गई है। वर्ष 1940 के दशक के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की उथल-पुथल भरी पृष्ठभूमि पर आधारित, 'हीरामंडी' 'कोठों' में प्यार, विश्वासघात, उत्तराधिकार और राजनीति की कहानी को बयां करती है।

हीरामंडी: द डायमंड बाजार 01 मई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने जा रही है। संजय लीला भंसाली ने कहा, मैं पूरी टीम का आभार व्यक्त करता हूं उनके जुनून और समर्पण के लिए, जो उन्होंने 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' की दुनिया को नेटफ्लिक्स पर लाने के लिए दिखाई है। इसे 1 मई को रिलीज करने के साथ, हम दुनिया भर के दर्शकों को इसे देखने और अपना प्यार और सम्मान से हमें नवाज़ने का इंतजार नहीं कर सकता हूं।

जिन्दगी के सफर में फिर साथ चलने को तैयार हुए नवाज और आलिया

मुंबई/एजेन्सी

एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के फैंस के लिए अच्छी खबर है। नवाज और आलिया के बीच के रिश्ते सुधरते दिख रहे हैं। दोनों सेपरेशन के बाद दोबारा एक साथ रहने लगे हैं। आलिया ने हाल ही नवाज के साथ 14वीं मैरिज एनिवर्सरी का जश्न मनाते हुए इंस्टाग्राम पर पोस्ट डाली थी। कपल ने दुबई में एक साथ सालगिरह मनाई। उनके बच्चे शोरा और यानी पढ़ाई के लिए वहां हैं और आलिया उनके साथ रहती हैं।

अब आलिया ने खुलासा किया कि नवाज और वह एक बार फिर रिलेशन में आ गए हैं। आलिया ने कहा कि हाल के दिनों में मेरे जीवन में कुछ चीजें बदल गई हैं। मुझे लगा कि जब हम दुनिया के साथ बुरी बातें साझा करते हैं तो हमें अच्छी बातें भी साझा करनी चाहिए। मुझे लगता है कि जो अच्छा है उसे भी देखना चाहिए। नवाज भी यहां थे इसलिए हमने बच्चों के साथ मिलकर सालगिरह मनाई। मुझे लगता है कि हमारे रिश्ते में जिन समस्याओं का सामना करना पड़ा, वे हमेशा किसी तीसरे व्यक्ति के कारण थीं, लेकिन अब वह गलतफहमी हमारे जीवन से दूर हो गई है।

बच्चों की वजह से हमने पूरी तरह से आत्मसमर्पण कर दिया है। अब जिंदगी में अलग रहने का कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि बच्चे भी बड़े हो रहे हैं। साथ ही नवाज, शोरा के काफी करीब हैं और जो कुछ भी हुआ उसके बाद मेरी बेटी काफी परेशान थीं। शोरा इसे बर्दाश्त नहीं कर सकीं।

इसलिए हमने फैसला किया कि हम लड़ाई नहीं करेंगे और शांति से साथ रहेंगे। बता दें कि आलिया पिछले साल 'बिग बॉस ओटीटी 2' में नजर आई थीं लेकिन उनका सफर लंबा नहीं रहा। बाद में उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड के साथ कई तस्वीरें पोस्ट की थी और बताया कि वो जिंदगी में आगे बढ़ गई हैं। इस सबके कुछ वक्त बाद ही आलिया ने बॉयफ्रेंड के साथ वाली सारी तस्वीरें भी सोशल मीडिया से हटा दीं। पिछले दिनों आलिया ने नवाज की तारीफें भी कीं। उन्होंने बताया कि उनकी गैरमौजूदगी में नवाज बच्चों के साथ किस तरह वक्त बिताते हैं। बता दें नवाज और आलिया की शादी साल 2009 में हुई थी।

आलिया का शादी से पहले नाम अंजलि था और इस शादी से कपल के 2 बच्चे हैं। साल 2020 में दोनों के रिश्ते में अनबन की खबर सामने आई थी। इसके बाद से दोनों की लड़ाई काफी बढ़ती नजर आई। ये कपल अपनी शादी को कोर्ट कचहरी तक लेकर गया। इस बीच आलिया ने सोशल मीडिया पर नवाज समेत उनके परिवार को लेकर भी कई तरह के खुलासे किए थे। इतना ही नहीं आलिया ने तलाक का केस भी दायर किया था। वह अपने बच्चों के साथ अलग रहने लगी थीं। अब दोनों ने अपने रिश्ते को दूसरा मौका दिया है।

हुमा कुरैशी के प्रोडक्शन हाउस की फिल्म 'बेबी डू डाई डू' की शूटिंग पूरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी के प्रोडक्शन हाउस की दूसरी फिल्म बेबी डू डाई डू की शूटिंग पूरी हो गयी है। हुमा कुरैशी अभिनय के साथ-साथ फिल्म निर्माण में भी सक्रिय हैं। हुमा कुरैशी और उनके भाई अभिनेता साकिब सलीम प्रोडक्शन हाउस एलेमेन 3 एंटरटेनमेंट खोला है। हुमा कुरैशी से फिल्म डबल एक्सएल से फिल्म निर्माण में कदम रखा था।हुमा कुरैशी की बतौर निर्माता दूसरी फिल्म बेबी डू डाई डू पूरी हो गई है। नचिकेत सामंत के निर्देशन में बनी फिल्म 'बेबी डू डाई डू' में हुमा

कुरैशी के साथ चंकी पांडे और सिकंदर खेर प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित क्राइम कॉमेडी है।

विन डीजल ने दीपिका पादुकोण के साथ नयी तस्वीर साझा की

मुंबई/एजेन्सी

हॉलीवुड अभिनेता विन डीजल ने ''ट्रिपल एक्स: रिटर्न ऑफ जेंडर केज'' फिल्म में सह-कलाकार की भूमिका निभाने वाली दीपिका पादुकोण के साथ 2017 में अपनी पहली भारत यात्रा की एक पुरानी तस्वीर साझा की है। डीजल ने अमेरिका की एक्शन आधारित फिल्म का प्रचार करने के लिए भारत का दौरा किया था। हॉलीवुड में यह दीपिका की पहली फिल्म थी। हॉलीवुड अभिनेता ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर पादुकोण के साथ एक अनदेखी तस्वीर साझा की, जिसमें वह भारतीय अभिनेत्री को कोट पहनने में मदद करते हुए दिख रहे हैं, जबकि फिल्म के निर्देशक डीजे कारुसो एक ऑटो-रिक्शा में बैठे हैं। डीजल ने पोस्ट में लिखा, ''जब मैं उन निर्देशकों के बारे में सोचता हूं जो एक से अधिक बार मेरे साथ काम करना चाहते हैं तो मैं हमेशा विनम्र हो जाता हूं। यह तब की तस्वीर है जब मैं निर्देशक डीजे कारुसो के साथ दीपिका से किए हुए वादे के अनुरूप भारत आया था।''

छप्पन वर्षीय अभिनेता ने खुलासा किया कि कारुसो ने उन्हें एक नयी फिल्म की पठकथा भेजी है। कारुसो ने 'टेकिंग लाइव्स', 'डिस्टर्बिया', 'ईगल आई' और 'आई एम नंबर फोर' जैसी फिल्मों का भी निर्देशन किया है। डीजल ने पोस्ट में लिखा, ''मेरी बड़ी बेटी ने कारुसो की भेजी हुई पटकथा को पढ़ा। वह उसे पढ़कर रोई... मैंने उससे पूछा कि वह क्यों रोई तो उसने कहा क्योंकि एक भाई और बहन की कहानी उसके लिए सच थी और यह भावनात्मक थी। उन्होंने कहा, ''अगर मैं वह फिल्म बना सका जिसे पढ़कर मेरी बेटी रो पड़ी, तो आपसे मेरा सवाल होगा कि मेरी बहन की भूमिका कौन निभाएगा... उसने जेनिफर लॉरेंस का सुझाव दिया।

आप क्या सोचते हैं?'' यह पहली बार नहीं है कि ट्रिपल एक्स: रिटर्न ऑफ जेंडर केज फिल्म के रिलीज के बाद डीजल ने पादुकोण के साथ कोई तस्वीर साझा की है। इस एक्शन फिल्म में पादुकोण ने सेरेना अनगर की भूमिका निभाई थी। डीजल ने जून 2023 में कहा था कि वह दोबारा से भारत की यात्रा पर आने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने फिल्म से अपनी और दीपिका पादुकोण की एक तस्वीर पोस्ट की थी और 'पठान' फिल्म की अभिनेत्री को 'साथ काम करने के लिए पसंदीदा लोगों' में से एक बताया था। डीजल ने कहा था, ''दीपिका पादुकोण मेरे साथ काम करने वाली पंसदीदा लोगों में से एक हैं। वह मुझे भारत लाईं और मुझे बहुत अच्छा लगा... मैं दोबारा यहां आने का इंतजार कर रहा हूं।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शुक्रवार | 29-03-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

भगवान महावीर ने पुस्तक की सुरक्षा के लिए कवर की, शरीर की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य की नितान्त आवश्यकता बताई, वैसे ही जीवन की सुरक्षा व इहलोक एवं परलोक की सुरक्षा के लिए धर्म की आवश्यकता है। धर्म के क्षेत्र में छलावा या प्रदर्शन न हो। छल कपट, प्रपंच न हो। आत्मशुद्धि का साधन ही धर्म है।

बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में गुरुवार को भाजपा के कार्यकर्ताओं की बैठक में भाग लेते हुए भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई। बैठक में तमिलनाडु भाजपा के राष्ट्रीय सह-प्रभारी पी सुधाकर रेड्डी, कोयंबटूर दक्षिण विधान सभा सदस्य वनथी श्रीनिवासन, कोयंबटूर जिला अध्यक्ष रमेश कुमार, कृषि दल के प्रदेश अध्यक्ष जीके नागराज और संसदीय चुनाव अधिकारी, जिला और क्षेत्रीय प्रशासक भी उपस्थित थे।

होली चातुर्मास पर हुए विशेष प्रवचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। मुनिश्री रश्मिकुमारजी एवं प्रियांशुकुमारजी के सान्निध्य में मदुरै तेरापंथ सभा के तत्वावधान में होली चातुर्मास पर विशेष प्रवचन का आयोजन किया गया। इस मौके पर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अशोक जीरावला ने स्वागत किया। तेरापंथ ट्रस्ट अध्यक्ष ओमप्रकाश कोठारी, उपासक नैनमल कोठारी, पूर्व मंत्री धीरज दुगड़, तेयुप के पूर्व अध्यक्ष संदीप बोकड़िया, महासभा कार्यकारिणी सदस्य नीतेश कोठारी, कन्या मंडल संयोजिका दीपिका फुलफगर, ज्ञानशाला की मुख्य प्रशिक्षिका बबिता लोढ़ा, प्रशिक्षिका मधु पारख, सपना सिंघवी आदि ने अपने विचार व्यक्त किए।

महिला मंडल द्वारा होली पर रोचक गीतिका, कन्या मंडल एवं ज्ञानशाला के बच्चों ने शानदार प्रस्तुति दी। मुनिद्वय ने होली पर विशेष प्रवचन दिया। मंत्री अभिनंदन बागरेचा ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संयोजन महिला मंडल की मंत्री सुनीता कोठारी ने किया।

आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में गुरुवार को सुपार्श्वनाथ मंदिर में विराजित आचार्यश्री उदयप्रभसूरीश्वरजी म. सा. एवं साध्वीश्री हितार्थरत्नाश्रीजी से आशीर्वाद लेने पहुंची कोयम्बटूर विधायक वनथी श्रीनिवासन। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष गुलाबचन्द मेहता सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

प्रवीण टाटिया का रजत का अध्यक्ष पद ग्रहण समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु का वर्ष 2024-25 के लिए अध्यक्ष प्रवीण टाटिया और उनकी टीम के लिए पदभार ग्रहण समारोह 31 मार्च को सुबह अन्ना नगर् स्थित एसआरकेके अग्रवाल सभा भवन में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंडियन बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी शांतिलाल जैन तथा राज्य अल्पसंख्यक आयोग, तमिलनाडु के अध्यक्ष पीटर अल्फोंस विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाएंगे। साथ में चयनीत अध्यक्ष नरेंद्र श्रीश्रीमाल, महासचिव हेमंत दुगड, कोषाध्यक्ष कमल चोरडिया को भी शपथ दिलाई जाएगी।

ज्ञानचंद कोठारी ने बताया कि प्रवीण टाटिया राज्य अल्पसंख्यक आयोग, तमिलनाडु के सदस्य, राजस्थानी महावीर इंटरनेशनल स्कूल के अध्यक्ष एवं अनेक धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष मोहनलाल बजाज, महासचिव देवराज आच्छा, कोषाध्यक्ष गौतमचंद डागा एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे।

जीतो 'अहिंसा रन' की टी-शर्ट, केप, मेडल का हुआ अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो चैप्टर बेंगलूरु के अंतर्गत जीतो अपेक्स द्वारा निर्देशित आईआईएफ़एल अहिंसा रन द्वितीय संस्करण का आयोजन 31 मार्च को किया जा रहा है। शांति व अहिंसा जागरुकता के लिए आयोजित इस दौड़ में जीतो महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे हिस्सा ले रहे है। इस अहिंसा रन में स्पोर्टर्स पार्टनर डेकाथलॉन स्टोर का सहयोग है। इस अहिंसा रन टी-शर्ट, केप, मेडल आदि का अनावरण जीतो चैप्टर साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा एवं नॉर्थ चैप्टर के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा के निर्देशन में हुआ। साउथ महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल, नॉर्थ चैप्टर महामंत्री सुधीर गादिया, साउथ लेडिज विंग अध्यक्ष सुनीता गांधी, नॉर्थ लेडिज विंग महामंत्री सुमन वेदमुथा ने शुभकामना दी। नॉर्थ लेडिज विंग अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। साउथ लेडिज विंग महामंत्री मोनिका पिरगल ने धन्यवाद दिया। इस मौके पर साउथ लेडिज विंग की कोषाध्यक्ष भारती छाजेड़, संयोजिका साक्षी नाहर, सोमना सिसोदिया, सह-संयोजिका रेखा जैन, प्रिय गांधी, निधि पालरेचा, सुमन सिंघवी, साधना धोका उपस्थित थीं।

तमिल-हिंदी एक दूसरे के पूरक है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। दक्षिण रेलवे के मदुरै मंडल की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 28 मार्च को संपन्न हुई। मंडल रेल प्रबंधक शरद श्रीवास्तव ने अध्यक्षता की। उप मुख्य राजभाषा अधिकारी वी प्रसन्ना ने उपस्थित सभी विभागाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों का स्वागत किया। राजभाषा अधिकारी ए. श्रीनिवासन ने बैठक का संचालन किया।

डीआरएम शरद श्रीवास्तव ने इस बैठक के दौरान 'तमिल-हिंदी एक दूसरे के पूरक' सहासक साहित्य का विमोचन किया। जो पहली कडी है जिसमें 100 वाक्य हैं जो रोज प्रयोग करते है। अपर मंडल रेल प्रबंधक सी. सेलवम् ने प्रथम प्रति प्राप्त की। इससे तमिल द्वारा हिंदी और हिंदी द्वारा तमिल दोनों सीख सकते हैं। सभी सदस्य इस पुस्तिका की प्रशंसा की और बताया कि वर्तमान परिस्थिति में बहुत काम आएगी। इस श्रृंखला को ज़ारी रखने का आग्रह किया। इसकी दूसरी कडी अगली तिमाही में प्रकाशित किया जाएगा। सभी कर्मचारियों को डिजिटली वितरित किया जाएगा।

ब्रह्मवृक्षम का होली मिलन 31 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ शर्मानगर स्थित एवीआर महल् में 31 मार्च को ब्रह्मवृक्षम के तत्वावधान में होली मिलन समारोह आयोजित की जाएगी। सायं 4.30 बजे से रात्रि 9 बजे तच चलने वाले इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम, फूलों कीहोली व अबीर गुलाल से सभी का स्वागत किया जाएगा। संस्था का अध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी एवं सचिव बीके तिवारी के बताया कि ब्रह्मवृक्षम पिछले कई सालों से होली मिलन कार्यक्रम आयोजित करती रही है।

खाण्डळ विप्र सभा का होली मिलन 31 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री खांडल विप्र सभा व भगवान श्री परशुराम चेरिटेबल ट्रस्ट का सामूहिक होली मिलन रविवार 31 मार्च को होगा। माधावरम् के रिंग रोड स्थित मारुति रेस्टारेंट के ऊपर रोज गार्डन में यह समारोह सुबह 9 बजे से आयोजित होगा। सभा के महासचिव शंकरलाल बढ़ाढरा ने बताया कि भगवान परशुराम की पूजा व सामूहिक सुन्दरकांड के बाद कार्यकारिणी की बैठक होगी। फूलों और गुलाल के साथ होली खेली जाएगी। दोपहर को महाप्रसादी होगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजू, कैलाश, भंवर, गणपत, सुभाष सहित नंदेश्वर सेवदा तैयारियों में जुटे हुए हैं।

केएमवाईएफ की मोबाइल दंत चिकित्सा हेतु 50 लाख की राशि भेंट की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मानव सेवा में अग्रणी संस्था कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, कृत्रिम पैर योजना, डायलिसिस योजना, शिक्षा योजना, मोबाइल दंत चिकित्सा योजना द्वारा अनगिनत जरूतमंद लाभान्वित होते आ रहे हैं। इसी से प्रभावित होकर वाणी इंटरनेशनल स्कूल के सीईओ सारदाप्रसाद (इंटिक साइंस रिसर्च ट्रस्ट) ने केएमवाईएफ की नूतन मोबाइल दंत योजना हेतु 50 लाख रुपए की राशि जरूरतमंदों के उपयोग हेतु भेंट की। इस मौके पर

केएमवाईएफ डीआर रांका डायलिसिस सेंटर के प्रांगण में फेडरेशन के अध्यक्ष रमेश सांखला, मंत्री रणजीत मेहता, सहमंत्री अमित मेहता, कृत्रिम पैर योजना के चेयरमैन एफआर सिंघवी, दंत योजना के चेयरमैन धीरज कोचेटा, अभिषेक संचेती, निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. उत्तम खींचा, रमेश कुंकुलोल, उपाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी, राहुल मेहता एवं मनीष मेहता ने सारदाप्रसाद का सम्मान किया।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर के आरएस पुरम् स्थित प्रवासियों की सबसे बड़ी संस्था राजस्थानी संघ में गुरुवार को कोयम्बटूर की विधायक वनथी श्रीनिवासन ने औपचारिक मुलाकात की। संघ के अध्यक्ष गौतमचन्द श्रीश्रीमाल ने उनका स्वागत किया। भाजपा के उम्मीदवार अन्नामलाई और पोलाची के उम्मीदवार को जीताने के लिए उन्होंने विचार विमर्श किया। इस मौके पर संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मानव सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानवसेवा : बेंगलूरु के केपी अग्रहरा में अणम्मा देवी पूजा समिति द्वारा अणम्मा पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महेन्द्र मुणोत उपस्थित थे। मुणोत ने देवी की विशेष पूजा कर जरुरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री का वितरण किया।

विधान परिषद में बेरोजगारों और प्रज्ञावानों की आवाज बनना चाहते हैं उदय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आज की राजनैतिक व्यवस्था को देखकर आम आदमी में हताशा है। यह नकारात्मकता सभी जगह फैली हुई है कि राजनेता से आम आदमी को जो अपेक्षाएं होती हैं वह कोई भी नेता पूरी नहीं करता है। इस निराशा को कौन दूर करेगा? विधायक एवं सांसद जीतकर आते हैं लेकिन उनका रिपोर्ट कार्ड देखें तो हताशा होती है क्योंकि वे क्षेत्र के लोगों से दूरी बनाने लगते हैं।

आसानी से उपलब्ध होने लगें तो जनता के काम करने पड़ते हैं, जो कोई करना नहीं चाहता। ऐसे में लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। यह जागरूकता कौन पैदा करे? निराशा और हताशा के माहौल में एक युवक उदयसिंह, जो पेशे से हाईकोर्ट वकील हैं, राजनीति के माध्यम से कुछ खास करना चाहते हैं। वे कई दशकों से सामाजिक कार्यों से जुड़े हुए हैं। वे राजनीति में आकर बदलाव की एक लहर लाना चाहते हैं। वे राजनेताओं के प्रति बनी धारणा में बदलाव लाना चाहते हैं।

उदयसिंह चुनावी दौर में अचानक प्रकट नहीं हुए हैं। वे सभी स्नातकों, शिक्षकों, व्याख्याताओं के कल्याण के लिए लगातार काफी समय से आवाज उठाते आ रहे हैं। आगामी जून में होने वाले विधान परिषद के चुनावी समर में उतरकर जनता की बेहतर तरीके से सेवा करना चाह रहे हैं। एक संवाददाता सम्मेलन में उदयसिंह ने कहा कि प्रति वर्ष लाखों युवा स्नातक और उच्च स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण कर आते हैं और उन्हें रोजगार नहीं मिल पाता है। सरकार के पास कई विभागों में पद खाली होते हुए भी एक अच्छी नीति नहीं होने के कारण युवाओं को रोजगार के लिए भटकना पड़ता है। सही में देखा जाए तो सरकार की यह जवाबदारी होती है कि वह युवाओं को रोजगार प्रदान करे। विधान मंडलों में जाने वाले विधायक इस पर का एक भी सवाल सदन में नहीं करते हैं। वहां बेरोजगारों की आवाज उठाने वाला कोई भी नहीं है, यह एक विडंबना ही है।

उदयसिंह ने कहा कि आज स्कूलों में पर्याप्त संख्या में टीचर नहीं हैं। बहुत सारे पद खाली पड़े हैं परंतु सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। कान्ट्रेक्ट टीचर को 8-10-12 हजार रुपए देकर काम करवाया जा रहा है। उन्हें नियमित रूप से सेलरी पर नहीं रखा जाता है। शिक्षकों की अपनी एक अलग समस्या है। कानून ने सभी को अपने हितों की रक्षा का प्रावधान दिया है लेकिन हितों की रक्षा नहीं होती है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि आज जेल में सजा काट रहे कैदियों को वेतन स्वरूप 15 से 19 हजार रुपए दिए जा रहे हैं, वहीं शिक्षकों को अनदेखा किया जा रहा है।उनकी आवाज सदन में उठाने वाला कोई नहीं है।

बेंगलूरु और बेंगलूरु ग्रामांतर क्षेत्र की स्नातक सीट से उदयसिंह इस बार विधानपरिषद का चुनाव निर्दलीय रूप से लड़ने जा रहे हैं। उन्होंने सभी स्नातक पदवीधारियों, प्रज्ञावान समाज से अपील की कि वह उन्हें समर्थन दें। इस क्षेत्र में 36 विधानसभा क्षेत्र व पांच संसदीय क्षेत्र आते हैं। उन्होंने गत 6 माह में इस क्षेत्र का व्यापक दौरा कर 30 हजार से अधिक स्नातकों को मतदाता सूची में जुड़वाया है। उन्होंने अन्य स्नातकों को भी इससे जुड़ने का आग्रह किया है।

उदयसिंह ने सभी विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार शुरू कर दिया है। वह वार्ड, होब्बली, ग्राम स्तर पर जाकर प्रचार कर रहे हैं। लोगों की समस्याओं की सुनवाई कर रहे हैं। जिनका समाधान कर सकते हैं, वह करते हैं। सरकारी कर्मचारी, शिक्षक, व्याख्याता संगठन, स्नातक संगठन, शैक्षणिक संस्थानों के प्रबंधन बोर्ड के नेता, प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुख, छात्र संगठन और स्नातक समूह उदयसिंह को समर्थन देने के लिए अभूतपूर्व, सकारात्मक एवं उत्साहजनक प्रतिक्रिया दिखा रहे हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.